नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 08

फियर के साथ साल का अंत करना शानदार रहा : वेधिका...

www.naisochlive.com | पटना, शुक्रवार, 20 दिसंबर 2024, वर्ष- 07, अंक- 296, पृष्ठ-8, मूल्य - 3:00 | naisochexpreess@gmail.com

केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, कार्यवाही पर रोक

एजेंसी, नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और वर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना के अग्रवाल समाज के मतदाताओं के 'नाम कटवाने' का आरोप लगाने के खिलाफ आपराधिक मानहानि के मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी रोक बढ़ी दी है। जस्टिस हृषिकेश राय की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। इस मामले में केजरीवाल और आतिशी ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। आज सुनवाई के दौरान इस मामले में शिकायतकर्ता भाजपा नेता राजीव बब्बर ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने की मांग की जिसके बाद कोर्ट ने चार हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर भी लगी रोक अगले आदेश तक जारी रखने का आदेश दिया। कोर्ट ने 30 सितंबर को राजीव बब्बर को नोटिस जारी किया था। सुनवाई के दौरान आतिशी और केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि बिना किसी नुकसान के आपराधिक मानहानि कानून की नजर में कोई मायने नहीं रखती।

सांसदों के बाद अब पुलिस एसोसिएशन का पीएम ट्रूडो पर नहीं रहा विश्वास

एजेंसी, टोरंटो । कनाडा पीएम जस्टिन ट्रूडो के खिलाफ राजनीतिक और सामाजिक माहौल दिन ब दिन खराब हो रहा है। ट्रूडो के खिलाफ अब उनकी ही पुलिस संगठन अविश्वास जता रहे हैं। एक ओर उनकी पार्टी के सांसद उनसे इस्तीफा मांग रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर पुलिस संगठन ने भी पीएम ट्रूडो पर गंभीर आरोप लगाए हैं। टोरंटो पुलिस एसोसिएशन और दरहम क्षेत्रीय पुलिस एसोसिएशन ने पीएम जस्टिन ट्रूडो की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में कानून-व्यवस्था खराब हो गई है। ट्रूडो के कार्यकाल में अपराधी कल्चर बढ़ा है। अवैध हथियारों और ड्रग्स का कारोबार फल-फूल रहा है। पुलिस का दावा है कि वह अपनी जान जोखिम में डालकर अपराधियों को पकड़ती है, लेकिन अदालत से उन्हें जमानत मिल जाती है। टोरंटो पुलिस एसोसिएशन ने अपने ट्विटर हैंडल पर पीएम ट्रूडो की नीतियों की कड़ी आलोचना की और लिखा कि खोखले वादे और बातें जनता और हमारे सदस्यों के प्रति कपटपूर्ण हैं।

अजित डोभाल ने बीजिंग में चीनी विदेशमंत्री वांग यी से मुलाकात की

एजेंसी, बीजिंग। चीन के दौरे पर गए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने बीजिंग में चीनी विदेशमंत्री वांग यी से मुलाकात की। दोनों के बीच बैठक के दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता बनाए रखने और ठप द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों के बीच बैठक भारतीय समय के मुताबिक सुबह 8 बजे शुरू हुई। बैठक के बाद चीन ने कहा कि वह भारत के साथ हुए समझौतों को लागू करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि चीन ईमानदारी से मतभेदों को सुलझाने के लिए तैयार है। दरअसल डोभाल 17 दिसंबर को भारत और चीन के बीच विशेष प्रतिनिधि स्तर की 23वीं बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। डोभाल के साथ भारतीय प्रतिनिधि मंडल भी मौजूद था। भारत-चीन के बीच इस साल अक्टूबर में सीमा विवाद को सुलझाने के लिए सहमति बनी थी। इसके लिए दोनों देशों ने अजित डोभाल और वांग यी को स्पेशल प्रतिनिधि बनाया था।

संसद में हंगामा: विरोध के बीच राज्यसभा और लोकसभा दिन भर के लिए स्थगित

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद की कार्यवाही गुरुवार को एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़ गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और गृह मंत्री अमित शाह की आंबेडकर पर टिप्पणी से जुड़े अलग-अलग विवादों को लेकर हंगामे के बीच राज्यसभा और लोकसभा दोनों को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। गुरुवार को उच्च सदन की कार्यवाही दोबारा दोपहर दो बजे शुरू होते ही फिर हंगामे की भेंट चढ़ गई। इस बार हंगामे का मुद्दा बदला हुआ था। संसद में बाबा साहेब को लेकर विरोध प्रदर्शन के बीच लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और भाजपा सांसदों के बीच हुई धक्का-मुक्की की घटना का मुद्दा राज्यसभा में उठाया गया। सभापति ने सचिव को सदन के पटल पर रखे गए उपराष्ट्रपति के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर 10 दिसंबर को प्राप्त संचार पर राज्यसभा के उपसभापति द्वारा दिया गया विस्तृत निर्णय रखने को कहा। इसके बाद सदन में सबसे पहले सभापति ने भाजपा के राज्यसभा सांसद फंगनोन कोन्याक को बोलने का मौका दिया। कोन्याक ने सदन में बताया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उनके

सम्मान और स्वाभिमान को गहरी ठेस पहुंचाई है। आज जो कुछ भी हुआ वह बहुत दुखद है, ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बारे में सभापति से भी लिखित शिकायत कर अपने साथ हुए दुर्व्यवहार का ब्यौरा दिया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अपनी बात रखते हुए कहा कि राहुल गांधी ने आज भाजपा के दो सांसदों को धक्का दिया, जो अब अस्पताल में भर्ती हैं। राहुल गांधी के व्यवहार के लिए पूरी कांग्रेस को संसद और देश से माफी मांगनी चाहिए। संसद कुश्ती का अखाड़ा नहीं है। यह लोकतंत्र के इतिहास का काला दिन है। राहुल गांधी और कांग्रेस को इस बारे में पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने भाजपा सांसदों के साथ धक्का-मुक्की की घटना की निंदा करते हुए कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने इस पर निंदा प्रस्ताव पेश करने की बात कही। इस बीच राज्यसभा में लगातार हंगामा होता रहा। सभापति जगदीप धनखड़ ने त्रिची शिवा को प्वांइट ऑफ आर्डर रखने का आग्रह किया। सांसद त्रिची शिवा ने आरोप लगाया कि वे सत्ता पक्ष को बोलने का मौका देते हैं और सदन में विपक्ष को मौका नहीं देते। संसद में भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी को रोकने की कोशिश की। इस पक्ष को कोई नहीं सुन रहा। इस बीच सत्ता पक्ष और विपक्षी सदस्यों ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। विपक्षी सदस्य अमित शाह से माफी की मांग कर रहे थे, तो सत्ता पक्ष के सदस्य राहुल गांधी से माफी की मांग कर रहे थे। भारी हंगामे के बीच सभापति ने सदन की कार्यवाही शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले सुबह बाबा साहेब आंबेडकर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की टिपण्णी के मुद्दे पर राज्यसभा में जोरदार हंगामा हुआ। हंगामे की वजह से सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन की कार्यवाही जैसे ही शुरू की, विपक्षी नेताओं ने गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर चर्चा कराने की मांग की। इस बीच सदस्य घनश्याम तिवाड़ी के जन्मदिन की शुभकामनाओं के साथ संबंधित मंत्रियों ने सदन के पटल पर आवश्यक दस्तावेज रखे। सभापति ने बताया कि आज उन्हें विपक्ष की तरफ से नियम 267 के तहत चार नोटिस प्राप्त हुए हैं। इनमें तीन नोटिस अमित शाह के बयान पर चर्चा के लिए हैं और एक किसानों की मांग को लेकर है। उन्होंने इन सभी नोटिस को अस्वीकार कर दिया। इस पर विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। शोर के बीच सभापति ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। सदस्य राज्यसभा को चलने नहीं देना चाहते। ये लोकतंत्र के लिए सही नहीं है।

हिंदुओं को एकजुट होने की आवश्यकता : डॉ. प्रवीण तोगड़िया

एजेंसी, मुरादाबाद

हिंदुओं को एकजुट होने की आवश्यकता है। तभी वह सुरक्षित रहेंगे, नहीं तो बांग्लादेश जैसे हालात भारत में बनने में देर नहीं लगेगी। यह बातें अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने गुरुवार को प्रेस वार्ता करते हुए कहीं। आज मुरादाबाद में महाकुंभ निमंत्रण सभा को संबोधित करने पहुंचे अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद संस्थापक अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि सभी हिन्दू परिवार प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित हो रहे महाकुंभ मेला-2025 में सादर आमंत्रित है। उन्होंने आगे कहा कि महाकुंभ में श्रद्धालुओं के खाने-पीने, रहने और प्राथमिक चिकित्सा की पूरी व्यवस्था रहेगी। भक्तों को भटकना

ना पड़े इसके लिए हिंदू हेल्पलाइन डॉट इन की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है। वृद्ध और दिव्यांग के लिए गाड़ी की व्यवस्था होगी, इसके अलावा भक्तों को चाय, खाने-पीने, कंबल, शामियाना, गद्दा, मोबाइल चार्जिंग समेत अन्य जरूरी सुविधा मिलेगी। डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि महाकुंभ तैयारियों की प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं समीक्षा कर रहे हैं।

राहुल गांधी और कांग्रेस ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं की धज्जियां उड़ा दी : शिवराज

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज चौहान ने संसद में घायल हुए सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत से अस्पताल में भेंट कर उनका हाल जाना। इस दौरान शिवराज चौहान ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने जो गुंडागर्दी की है, उसका दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। ऐसा आचरण आज तक संसदीय इतिहास में देखा नहीं गया। ये संसद के इतिहास में काला दिन है, लोकतांत्रिक मर्यादाओं की धज्जियां उड़ा दी गई। शिवराज सिंह ने कहा कि अमित शाह जी ने अपने भाषण

में कांग्रेस की जो पोल खोली, उसकी खीज इतनी कि ये गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि सांसद सारंगी घायल हैं, उनके सिर से ब्लीडिंग हो रही थी, उनकी आंख के पास टांके लगाए गए हैं। सांसद मुकेश राजपूत यहां एडमिट हैं, उन्हें घबराहट हो रही है और बीपी बढ़ा हुआ है। दोनों को देखकर मन पीड़ा से भर गया। जो सांसद वहां थे वो गवाह हैं कि किसने धक्का-मुक्की की और किसने गुंडागर्दी की। सारे वैधानिक कदम उठाए जाएंगे।

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र के खिलाफ : बांसुरी

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि संसद में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र के खिलाफ है। उन्होंने आज एक बयान में कहा कि कांग्रेस ने हमेशा ही लोकतंत्र की हत्या की है। स्वराज ने 1975 का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सत्तर के दशक में कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या की थी। अब कांग्रेस संविधान को लहराकर पाखंड रच रही है। कांग्रेस ने सदैव बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान किया है। उसके लिए कांग्रेस और उसके नेताओं को देश से माफी मांगनी चाहिए।

नीतीश ने 'हमारा बिहार, हमारी सड़क' मोबाइल ऐप का किया लोकार्पण

एजेंसी, पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को 'हमारा बिहार हमारी सड़क' मोबाइल ऐप का रिमोट का बटन दबाकर लोकार्पण किया। ग्रामीण कार्य विभाग अंतर्गत इस एंड्रॉयड आधारित मोबाइल ऐप का निर्माण किया गया है। मोबाइल ऐप का लोकार्पण करने के पश्चात मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुधरेगी, बल्कि जनता की भागीदारी से बुनियादी ढांचे के विकास में भी तेजी आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी सड़कें मेंटेन रहें, इसका विशेष ख्याल रखें। जनता द्वारा जो शिकायतें प्राप्त होंगी, उसका त्वरित समाधान करना सुनिश्चित करें। समस्याओं का समाधान करने के लिये लगातार मॉनिटरिंग करते रहें।

महाकुम्भ मेले में भीड़ नियंत्रण के लिए पहली बार होगा ड्रोन का प्रयोग

एजेंसी, प्रयागराज

महाकुंभ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ नियंत्रण के लिए स्पेशल टीदर्ड ड्रोन का प्रयोग किया जाएगा। यह जानकारी गुरुवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुम्भ मेला राजेश द्विवेदी ने दी। उन्होंने बताया कि भीड़ नियंत्रण के प्रयोग में आने वाले ड्रोन का नाम टीदर्ड ड्रोन है। सामान्य ड्रोन के उड़ानें में चार्जिंग ऊर्जा का प्रयोग होता है। कुछ समय उड़ानें के बाद चार्जिंग की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन इसकी विशेषता अलग है। इसे आवश्यकतानुसार लगातार 12 घंटे तक आसमान में उड़ाया जा सकता है। मेले में आने वाली भीड़ का

आकलन तत्काल मिलता रहेगा। इसके साथ में इसे दूसरे स्थान पर ले जाकर संचालित किया जा सकता है। एसएसपी कुम्भ मेला ने बताया कि बताया कि इसका संचालन मेले के त्रिपल सी पुलिस कंट्रोल रूम से उड़ाया जाएगा। केबल के माध्यम से लगातार विद्युत की सप्लाई होती रहेगी। इसे काफी ऊंचाई तक उड़ा कर छोड़ दिया जाएगा। इस ड्रोन के माध्यम से शहर एवं संगम क्षेत्र में आने वाली भीड़ का विजुअल कंट्रोल रूम को मिलता रहेगा। जिसके आधार पर आवश्यकतानुसार भीड़ पर नियंत्रण रखने में काफी सहयोग मिलेगा।

ग्रामीण विकास मंत्री ने की समीक्षा बैठक, दिये कई निर्देश

एजेंसी । रांची

राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने गुरुवार को विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक एफएफपी बिल्डिंग में की। बैठक के दौरान मंत्री ने कई निर्देश भी अधिकारियों को दिये। समीक्षा बैठक के बाद मंत्री ने बताया कि झारखंड की महत्वपूर्ण फ्लैगशिप योजनाओं पर अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। इस दौरान अबुआ आवास योजना 2023-24 में स्वीकृत आवास जिनके ढलाई तक काम हो गया है उनका थर्ड इंस्टॉलमेंट जारी करने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया ताकि समय पर घर का निर्माण किया जा सके। बैठक में यह बात भी सामने आई कि लोग अब पीएम आवास योजना में रुचि कम ले रहे हैं क्योंकि अबुआ आवास योजना तीन कमरों की है ऐसे में पीएम आवास से कैसे राज्य के ग्रामीण आवास ले इस पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि बैठक में मनरेगा में बड़ी राशि केंद्र सरकार के पास बकाया है, इस संबंध में सरकार से बात की जाएगी। मंत्री ने बताया कि जेएसएलपीएस से कैसे आजीविका संवर्धन को बढ़ाया जाए इस पर विस्तृत चर्चा की गई। महिलाओं को रोजगार देने के माध्यमों को और बढ़ाया जाएगा। समीक्षा बैठक में ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य और पंचायती राज विभाग के पदाधिकारी को भी कई निर्देश दिए गए। ग्रामीण सड़क निर्माण सहित अन्य योजनाओं का काम स-समय पूरा करने को कहा गया। अधिकारियों को पांच वर्ष की योजना बनाकर काम करने को कहा गया समय बाद और सुचारू रूप से काम करने का स्पष्ट निर्देश दिया गया। मंत्री ने कहा कि यदि कोई समय पर काम नहीं करता है तो उस पर तुरंत कार्रवाई होगी और अगर शिकायत मिलती है तो स्पष्टीकरण तुरंत पूछा जाएगा। बैठक में पंचायती राज संस्थाओं को भी सशक्त करने पर चर्चा हुई।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस को उपसभापति हरिवंश ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि 14 दिन का नोटिस नहीं दिया गया था और धनखड़ का नाम सही ढंग से नहीं लिखा गया था। इसे विपक्ष के लिए बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी द्वारा सदन में पेश किए गए अपने फैसले में उपसभापति ने कहा कि यह अनुचित कार्य है। इसमें गंभीर खामियां हैं और

यह उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए जल्दबाजी में उठाया गया कदम है। सूत्रों ने कहा, "महाभियोग नोटिस देश की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने और मौजूदा उपराष्ट्रपति को बदनाम करने की साजिश का हिस्सा है।" सूत्रों ने बताया कि उपसभापति हरिवंश ने कहा कि देश के दूसरे सबसे बड़े संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ एक नैरेटिव बनाने के लिए यह प्रस्ताव लाया गया था। उन्होंने बताया कि उपराष्ट्रपति के खिलाफ एक नैरेटिव बनाने के लिए एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की गई थी। अस्वीकृति के कारणों को बताते हुए हरिवंश ने कहा कि 14 दिन का नोटिस, जो इस तरह के प्रस्ताव को पेश करने के लिए अनिवार्य है, नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा कि धनखड़ का नाम भी सही ढंग से नहीं लिखा गया था। हालांकि, एक प्रोटोकॉल जिसका सही ढंग से पालन किया गया था, वह यह था कि पिछले हफ्ते जब प्रस्ताव पेश किया गया था तो उस पर 60 सांसदों के हस्ताक्षर होने चाहिए थे। संविधान के अनुच्छेद 67(बी) के तहत प्रस्तुत प्रस्ताव का समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने भी समर्थन किया, जो इस संसदीय सत्र के दौरान कई बार कांग्रेस से असहमत रहे हैं। अनुच्छेद में 14 दिन के नियम का उल्लेख है, जिसमें कहा गया है, "उपराष्ट्रपति को राज्य परिषद (राज्यसभा) के सभी तत्कालीन सदस्यों के बहुमत से पारित प्रस्ताव और लोकसभा द्वारा सहमति से अपने पद से हटाया जा सकता है लेकिन इस खंड के उद्देश्य के लिए कोई प्रस्ताव तब तक पेश नहीं किया जाएगा, जब तक कि प्रस्ताव पेश करने के इरादे से कम से कम 14 दिन पहले नोटिस न दिया गया हो।"

संक्षिप्त समाचार

दलितों के सबसे बड़े विरोधी हैं लालू : प्रभाकर मिश्र

» लालू ने अपने दल में दलित नेताओं को हाशिए पर रखा

» लालू ने अपने कुकृत्यों से हमेशा बाबा साहेब अंबेडकर को दुःख पहुंचाया

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि लालू प्रसाद सबसे बड़े दलित विरोधी नेता हैं। लालू प्रसाद ने अपने शासनकाल में दलितों के कल्याण के एक भी कार्य नहीं किया, साथ ही अपनी पार्टी में दलित वर्ग से आनेवाले नेताओं को हमेशा हाशिए पर रखा। श्री मिश्र ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि लालू प्रसाद जैसे भ्रष्टाचारियों ने बाबा साहेब अंबेडकर की आत्मा को दुःख पहुंचाया है। लालू जैसे परिवारवादियों का वश चले तो ये दलितों से आरक्षण छिनकर अपने परिवार के लोगों में बांट देंगे। लालू ने अपने शासनकाल में सोची-समझी रणनीति के तहत न सिर्फ दलितों को विकास के पथ से दूर रखा, बल्कि उनका मानसिक और भावनात्मक दोहन भी किया। ऐसे लोग बाबा साहेब अंबेडकर का नाम लेकर सिर्फ दिखावा कर रहे हैं। बाबा साहेब के सपने को सिर्फ भाजपा ही साकार कर सकती है। श्री मिश्र ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री माननीय अमित शाह जी के बयान को कांग्रेस के लोग और लालू जैसे नेता तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं। अपने कुकृत्यों से इंडी के लोग बाबा साहेब को अपमानित कर रहे हैं।

जदयू नेता डॉ. मधुरेंदु पाण्डेय ने नीतीश कुमार के उन्नीस वर्षों के कार्यकाल का किया गुणगान

पटना। जदयू नेता डॉ. मधुरेंदु पाण्डेय ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उन्नीस वर्षों के कार्यकाल का गुणगान करते हुए कहा कि 19 वर्षों में बिहार तरक्की की नई उड़ान हासिल की है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने राजनीतिक इच्छा शक्ति के बदौलत बिहार में न्याय के साथ विकास कर शांति सुरक्षा और सुशासन राज स्थापित करने का काम किया है। राज्य की सर्वांगीण विकास के जरिए जनता के दिनचर्चा में शामिल मूलभूत सुविधाओं को व्यवस्थित करने का काम किया है। कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सबसे पहले भय भूख और भ्रष्टाचार से आक्रांत बिहार को बदलने में अहम भूमिका अदा की है। आज बिहार की दशा और दिशा देश के अन्य राज्यों से काफी बेहतर है। बढ़ते और बदलते बिहार को विकासशील राज्य की श्रेणी में लाने का काम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल राजनीतिक नेतृत्व की देन है। बिहार को पूर्ण विकसित राज्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सत्ता में बने रहना बेहद जरूरी है। राज्य की जनता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपनी पहली और आखिरी पसंद करार देते हुए आगामी विधानसभा चुनावमें भी राज्य में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार स्थापित करने हेतु चट्टानी एकता के साथ संकल्पकृत है।

कांग्रेस पार्टी आंबेडकर विरोधी, संविधान विरोधी, आरक्षण विरोधी और ओबीसी विरोधी पार्टी है : अमित शाह

पटना। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करने के दौरान कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और अपने संबोधन में बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर कांग्रेस के झूठे दुष्प्रचार को भी बेनकाब किया। हाल ही में, संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर संसद में संविधान पर चर्चा में स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस पार्टी आंबेडकर जी की विरोधी, संविधान विरोधी, आरक्षण विरोधी और ओबीसी विरोधी पार्टी है। नारी सम्मान को सालों तक दरकिनार करने वाली कांग्रेस ने हमेशा न्यायपालिका और सेना के शहीदों का अपमान किया। कांग्रेस ने वीर सावरकर जी का भी अपमान किया। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर संविधान के मूल्यों की धज्जियाँ भी उड़ाई। कांग्रेस के कार्यकाल में ही भारत की भूमि तक को संविधान तोड़कर विदेशी देशों को देने की हिमाकत की गई। इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने बाबा साहेब आंबेडकर को 1952 और 1954 के चुनाव में हराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। अपने आप को भारत रत्न देने वाले नेहरू और इंदिरा ने बाबा साहेब के जीते-जी उन्हें कभी भारत रत्न नहीं दिया। जब बाबा साहेब ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया तब नेहरू का जवाब था कि आंबेडकर के जाने से मंत्रिमंडल में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। अपने परिवार के नाम पर देशभर में लाखों स्मारक बनाने वाले नेहरू को जब बाबा साहेब के जन्म स्थान मऊ में उनका स्मारक बनाने का सुझाव दिया गया तो नेहरू ने साफ मना कर डिया। नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक, कांग्रेस परिवार ने बाबा साहब को हाशिये पर रखा और उनका हमेशा विरोध किया।

राहुल गांधी ने लोकतांत्रिक मूल्यों को ताख पर रखा, देश से माफी मांगें राहुल-ऋतुराज सिन्हा

» हिंसा पर उतर आए हैं राहुल गांधी, उनपर हो कड़ी कानून कार्रवाई-ऋतुराज सिन्हा

पटना। लोकतंत्र के मंदिर संसद भवन में आज हुई घटना पर भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आज कांग्रेस ने संविधान को तार-तार कर दिया ।जिस तरीके से भाजपा के दो सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत के साथ बर्बरता की गई , इतना ही नहीं नागालैंड की एकमात्र राज्यसभा सांसद कोन्याक ने तो यह भी बताया कि राहुल जी उनके निकट आकर इस तरह चिल्लाने लगे जिससे वे असहज और असुरक्षित महसूस कर रही थीं। यह दर्शाता है कि इंडिया एलायंस के लोग सता में क्यों आना चाहते है ?संविधान के खतरे की दुहाई देने वाले यह लोग आज खुद संविधान को अपने करतूत से रौंद रहे हैं जिसे भारत की जनता ने अपनी आंखों से देखा है। ऋतुराज सिन्हा ने राहुल गांधी के इस अपराध और उसपर उनके बयान पर हमला किया है। ऋतुराज सिन्हा ने राहुल के कृत्य पर कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा कि राहुल गांधी अपनी खीज मिटाने के लिए अब हिंसा पर उतर आए हैं जो लोकतंत्र की सेहत के लिए अच्छा नहीं है। भाजपा के सांसदों ने अपने ऊपर नियंत्रण रखा इसका मतलब कदापि यह नहीं है कि वे डर गए हैं। भारतीय जनता पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों पर भरोसा और विश्वास करती है इसलिए हमने अपने आप पर नियंत्रण रखा लेकिन अब राहुल गांधी को पूरे देश से माफ़ी मांगनी चाहिए और हम प्रशासन से इनपर उचित कानूनी करवाई की मांग करते हैं। राहुल गांधी जी के सानिध्य में रहकर बिहार के राजद नेता भी अपना आपा खो रहे हैं ,भाषा की मर्यादा को भूलकर जिस तरह उन्होंने गृह मंत्री पर जो टिप्पणी की है वह घोर निंदनीय है और इसकी कड़ी आलोचना होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने 'हमारा बिहार, हमारी सड़क' मोबाइल ऐप का किया लोकार्पण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज 01, अण्णे मार्ग स्थित 'संकल्प' से 'हमारा बिहार हमारी सड़क' मोबाइल ऐप का रिमोट का बटन दबाकर लोकार्पण किया। ग्रामीण कार्य विभाग अंतर्गत इस एंड्रॉयड आधारित मोबाइल ऐप का निर्माण किया गया है। मोबाइल ऐप का लोकार्पण करने के पश्चात् मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुधरेगी बल्कि जनता की भागीदारी से बुनियादी ढांचे के विकास में भी तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि सभी सड़कें मेंटेन रहें, इसका विशेष ख्याल रखें। जनता द्वारा जो शिकायतें प्राप्त होंगी, उसका त्वरित समाधान करना सुनिश्चित करें। समस्याओं का समाधान करने के लिये लगातार मॉनिटरिंग करते रहें। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह ने 'हमारा बिहार हमारी सड़क' मोबाइल ऐप की कार्य पद्धति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। ज्ञातव्य है कि 'हमारा बिहार हमारी सड़क' मोबाइल ऐप के माध्यम से आमजन अब सड़कों की खराब स्थिति जैसे गड्ढे, क्षतिग्रस्त किनारे और अन्य समस्याओं की रिपोर्ट विभाग को कर सकेंगे। यह ऐप पूरे राज्य में उपलब्ध होगा और लोगों को आसानी से सड़क संबंधी समस्याओं को साझा करने का एक प्लेटफार्म प्रदान करेगा। ऐप पर किसी भी सड़क की खराब स्थिति का विवरण और उसकी तस्वीरें अपलोड की जा सकेंगी। मोबाइल ऐप निर्मित करने का उद्देश्य राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की देखभाल और रखरखाव में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यह ऐप राज्य के सभी प्रखंडों के अनुरक्षणाधीन 65,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों की सूची प्रदान करेगा। उपयोगकर्ता अपने प्रखंड की सड़क का चयन कर सकते हैं और गड्ढों या अन्य समस्याओं की रिपोर्ट फोटो के साथ दे सकते हैं। 'हमारा बिहार हमारी सड़क' ऐप के माध्यम शिकायत दर्ज करने के बाद, संबंधित अधिकारी के द्वारा उस समस्या को तय समय सीमा में हल किया जाएगा और समस्या समाधान की स्थिति को भी ऐप के माध्यम से अपडेट किया जाएगा। एक बार समस्या हल हो जाने के बाद, संबंधित अधिकारी पुनः मरम्मत स्थल की तस्वीर अपलोड करेंगे। इससे ग्रामीण सड़कों के अनुरक्षण एवं रखरखाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। यह ऐप नागरिकों और सरकार के बीच सीधे संवाद को बढ़ावा देने के लिए विकसित किया गया है। 'हमारा बिहार हमारी सड़क' ऐप अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध होगा। इसे डाउनलोड कर नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं और बिहार की सड़कों को बेहतर बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह ने हरित पौधा भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में ग्रामीण कार्य मंत्री श्री अशोक चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री अमृतलाल मीणा, विकास आयुक्त श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, ग्रामीण कार्य विभाग के अभियंता प्रमुख सह अपर आयुक्त सह विशेष सचिव श्री भगवत राम, ग्रामीण कार्य विभाग के अभियंता प्रमुख श्री श्रीप्रकाश सहित ग्रमीण कार्य विभाग के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग की 43 डिलक्स बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज 1, अण्णे मार्ग से परिवहन विभाग की 43 डिलक्स बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के पूर्व डीलक्स बस का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया और बस में दी जा रही सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। ज्ञातव्य है कि नयी डीलक्स बसों के परिचालन से राज्य के विभिन्न हिस्से में लोगों को सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। सस्ती, सुलभ, सुगम, सुरक्षित अत्याधुनिक सुविधायुक्त परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए इन 43 डिलक्स बसों का परिचालन राज्य के विभिन्न अंतरक्षेत्रीय मार्गों पर किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान परिवहन विभाग के सचिव श्री संजय कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, परिवहन मंत्री श्रीमती शीला कुमारी, ग्रामीण कार्य मंत्री श्री अशोक चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री अमृतलाल मीणा, विकास आयुक्त श्री प्रत्यय अमृत, परिवहन विभाग के सचिव श्री संजय कुमार अग्रवाल, राज्य परिवहन आयुक्त श्री नवीन कुमार सहित परिवहन विभाग के अन्य वरीय अधिकारी रहे मौजूद।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 63,827.35 लाख रुपये राशि के 5671 ग्राम पंचायतों में 6659 खेल मैदान के निर्माण कार्य का रिमोट के माध्यम से किया शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज 1, अण्णे मार्ग स्थित 'संकल्प' से ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत 5671 ग्राम पंचायतों में 6659 खेल मैदान के निर्माण कार्य का रिमोट के माध्यम से शुभारंभ किया। ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत मनरेगा योजना के तहत राज्य के सभी 38 जिलों के, 533 प्रखंडों के, 5671 ग्राम पंचायतों में प्रथम चरण में 6659 खेल मैदानों के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिसमें कुल 63,827.35 लाख रुपये की राशि सन्निहित है। खेल मैदान निर्माण कार्य में अनुमानित 41 लाख मानव दिवस का सृजन होगा। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुतीकरण के माध्यम से ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह ने कार्यारंभ की जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। ज्ञातव्य है कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल को बढ़ावा देने एवं ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को खेल कूद के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ खेल की आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा योजना के तहत ग्राम पंचायतों में खेल मैदान विकसित किये जा रहे हैं। खेल मैदान के विकास के फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और उत्साहवर्द्धन भी होगा। खेल मैदान विकसित होने से युवाओं के बीच खेल प्रतियोगिताओं और प्रतिस्पर्द्धाओं के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। खेल मैदान के विकास के क्रम में ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि की उपलब्धता के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में निम्न तीन प्रकार के खेल मैदान विकसित किये जा रहे हैं। पहले प्रकार के खेल मैदान बड़े आकार के होंगे जिनका क्षेत्रफल 04 एकड़ तक का है। बड़े खेल मैदान में गाँव के युवाओं को खेलने के लिए क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, रनिंग ट्रैक, बैडमिंटन, ऊँची कूद, लम्बी कूद, कबड्डी और खो-खो खेलों की सुविधाएं स्थानीय आवश्यकता अनुसार ग्रामीण युवाओं के लिए विकसित की जायेंगी। दूसरे प्रकार के खेल मैदान मध्यम आकार के होंगे जिनका क्षेत्रफल 01 से 1.5 एकड़ तक का है। मध्यम आकार के खेल मैदान में क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, रनिंग ट्रैक, बैडमिंटन, ऊँची कूद और लम्बी कूद की सुविधाएं स्थानीय आवश्यकता अनुसार ग्रामीण युवाओं के लिए विकसित की जायेंगी। तीसरे प्रकार के खेल मैदान छोटे आकार के हैं जिनका क्षेत्रफल एक एकड़ से कम है। इसमें कुल चार प्रकार की खेल सुविधाओं बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, रनिंग ट्रैक और बैडमिंटन को शामिल किया गया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह ने हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री अमृतलाल मीणा, विकास आयुक्त श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्यपदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, आयुक्त, मनरेगा श्रीमती अभिलाषा शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारी जुड़े हुए थे तथा कार्यारंभ स्थल पर वेब कास्टिंग के माध्यम से पंचायत जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में युवा भी कार्यक्रम से जुड़े थे।

अमित शाह से इस्तीफा की मांग करते हुए राजद सुप्रीमो, लालू प्रसाद ने कहा कि अमित शाह पागल हो चुके हैं

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। लालू यादव यही नहीं रुके उन्होंने कहा कि अमित शाह पागल हो चुके हैं उनको बाबा भीमराव अंबेडकर से घिरना है और वह मैंने देखा भी है उनसे जब पूछा गया कि क्या अमित शाह का इस्तीफा होना चाहिए उन्होंने कहा तुरंत इस्तीफा भी देना चाहिए भागना चाहिए उनको राजनीति से त्याग देना चाहिए। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर महान भगवान है लालू प्रसाद यादव राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव का अमित शाह पर बड़ा बयान कहां अमित शाह ने भीमराव अंबेडकर पर ध्यान देकर इसका मतलब पागल हो चुके हैं उनको राजनीति से त्याग करना चाहिए उनका इस्तीफा होना चाहिए।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल से बिहार में बना निवेश का माहौल

» उद्योग लगाने वालों को जमीन, बिजली, सड़क-सम्पर्क की ढांचागत सुविधाएँ मिलेंगी

» उद्योगों के लिए अब तक 8 हजार एकड़ भूमि का अधिग्रहण

» 9 प्रमंडलों में टाउनशिप, कालोनी और औद्योगिक गलियारा विकसित होगा

» सोनपुर में उद्योग गलियारा के साथ बड़ा हवाई अड्डा बनाया जाएगा

» भागलपुर, राजगीर , छपरा सहित 10 शहरों को मिलेगी एयर कनेक्टिविटी- सम्राट चौधरी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार बिजनेस कनेक्ट-2024 में निवेशकों को भरोसा दिलाया कि बिहार में उद्योग लगाने वालों को जमीन, बिजली, सड़क-सम्पर्क , एयर कनेक्टिविटी जैसी मूलभूत ढांचागत सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। उद्योगों के लिए अब तक 8 हजार एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है और अगले साल हमारे पास 10 हजार एकड़ भूमि केवल उद्योगों के लिए उपलब्ध रहेगी। श्री चौधरी ने कहा कि बिहार के 9 प्रमंडलों में टाउनशिप, कालोनी और औद्योगिक गलियारा विकसित किया जाएगा। सोनपुर में उद्योग गलियारा के साथ बड़ा हवाई अड्डा बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाल्मीकि नगर, सहरसा, भागलपुर, राजगीर , छपरा सहित 10 शहरों को विमान सेवा से जोड़ने और एयरपोर्ट विकसित करने के लिए केंद्र सरकार ने बिहार को 236 करोड़ रुपये दिये हैं। इस पर तेजी से काम होगा। राजधानी के ज्ञान भवन में दो दिवसीय (19-20 दिसम्बर) ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट को संबोधित करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि वर्ष 2005 में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार आने के बाद से बिहार में उद्योग-धंधे के लिए वातावरण लगातार बेहतर हुआ है। बिहार में निवेश बढने से रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं । उन्होंने कहा कि अब वो जमाना नहीं रहा , जब शाम होते बाजार बंद हो जाते थे और निवेशकों में फिरौती के लिए अपहरण-हत्या का भय समाया हुआ था। आज डबल इंजन की सरकार निवेशकों को सुविधाएं और सुरक्षा की गारंटी देती है। श्री चौधरी ने बिहार बिजनेस कनेक्ट-2024 में पहुँचे 800 से अधिक निवेशकों का स्वागत किया और उनसे विशेष रूप से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में निवेश के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि बिहार में मक्का सबसे ज्यादा होता है। मोतिहारी, खगड़िया और समस्तीपुर मक्का उत्पादन के बड़े केंद्र हैं, इसलिए इन जिलों में मक्का आधारित प्रसंस्करण उद्योग लगाने के लिए अनुकूल स्थिति है । श्री चौधरी ने बताया कि 1 लाख करोड़ से भी अधिक का MOU अब तक फाइनल हो चुका है। 350 कंपनी ने MOU के लिए कंफर्म कर दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में शुक्रवार को 350 कंपनियों के साथ निवेश सहमति पत्र (MOU) पर हस्ताक्षर करेंगे। इनमें आईफोन बनाने वाली फॉक्सकॉन कंपनी से बातचीत चल रही है। उन्होंने बिहार के विकास की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में बाढ़-नियंत्रण और बिजली उत्पादन के लिए केंद्र सरकार के सहयोग से जल्द ही पांच बड़े तटबंध (डैम) बनाने जा रहे हैं। आज ग्लोबल समिट के जरिए हम लोग कई क्षेत्रों में आगे जाना चाहते हैं।

पटना हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस प्रेमशंकर सहाय के जन्म शताब्दी समारोह पर उन्हें दी गई श्रद्धांजलि

» जस्टिस सहाय ने पिपरा, पारसबिगहा, सहवालिया जैसे कई चर्चित नरसंहार समेत गोपालगंज कलेक्टर मर्डर केस में भी सुनाई थी सजा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। कई बेहतरीन और ऐतिहासिक फैसलों के लिए याद किए जाने वाले पटना हाई कोर्ट के जाने माने जज जस्टिस प्रेमशंकर सहाय के 100वें जन्मदिन पर जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन राजधानी पटना में किया गया। इस आयोजन में पटना हाई कोर्ट के जज एवं वकीलों समेत समाज के कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम का आयोजन पटना हाई कोर्ट के जाने माने अधिवक्ता एवं जस्टिस सहाय के पुत्र राजकुमार सहाय ने किया। पटना हाई कोर्ट के अपने कार्यकाल के दौरान जस्टिस प्रेमशंकर सहाय ने पिपरा, पारसबिगहा, सहवालिया समेत कई चर्चित नरसंहारों में उन्होंने ऐतिहासिक फैसला सुनाया। वहीं गोपालगंज कलेक्टर मर्डर केस में भी उनके द्वारा दिए गए फैसले की उस दौरान पूरे सूबे में जबरदस्त चर्चा हुई। इस मौके पर उनके सुपुत्र व पटना हाई कोर्ट के जाने माने अधिवक्ता राजकुमार सहाय के द्वारा जरूरतमंदों को ट्राई साइकिल भी बांटा गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनके पिता जस्टिस प्रेमशंकर सहाय को सामाजिक कार्यों में खासी अभिरुचि थी। जहां भी उन्हें महसूस होता, समाज में उस कार्य को तत्परता से करने हेतु वो स्वयं ही आगे आ जाते थे। शायद यही वजह रही कि रिटायरमेंट के बाद भी वो दर्जनों सामाजिक संस्थाओं के साथ जुड़कर सक्रियता से वहां अपनी भागीदारी निभाते रहे तथा जीवन के अंतिम क्षणों तक उन्होंने इस कार्य को किया। वो हमेशा ही इसे अपने जीवन की सार्थकता मानते थे। उन्होंने कहा कि मेरे पिता जी को इस बात का कभी गुरूर नहीं रहा कि वो इतने बड़े ओहदेदार रहे हैं। वो एक सर्वसाधारण की भांति ही समाज की सेवा में लगे रहे। आज उन्हीं की प्रेरणा और आशीर्वाद से हम उनके पदचिन्हों पर चलने का एक छोटा सा प्रयास कर रहे हैं। गौरतलब है कि जस्टिस प्रेमशंकर सहाय न केवल एक कानूनविद थे, बल्कि सामाजिक कार्यों में भी उनकी खासी दिलचस्पी रही थी। इस कारण जस्टिस सहाय कई सामाजिक संस्थाओं से न केवल जुड़े रहे अपितु वहां एक दायित्व के साथ काम करने में भी अपनी भूमिका सुनिश्चित की। चाहे वो बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी के पूर्ववर्ती छात्र एसोसिएशन के गठन की बात हो या महात्मा गांधी के वैचारिक मुद्दों पर आधारित संस्थान सदाकत आश्रम के संचालन का या फिर कई अन्य सामाजिक संस्थान का। जहां न केवल उन्होंने सक्रिय भूमिका में एक दायित्व के साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित की अपितु कईयों का तो उन्होंने अपने कर कमलों द्वारा गठन तक किया। यहां तक कि पटना में कैंसर के रोगियों का इलाज कैसे सुलभ हो सके उसके लिए उन्होंने महावीर कैंसर हॉस्पिटल संस्थान जैसे बड़े अस्पताल का निर्माण एवं संचालन में अपनी अहम भूमिका निभाई। आम रोगियों के सस्ते इलाज के लिए महावीर आरोग्य एवं वात्सल्य संस्थान का निर्माण भी उन्होंने अपनी देख रख में कराया और वर्षों तक उन दोनों संस्थानों के संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में काम किया। वे ऑयल सिलेक्शन बोर्ड के चेयरमैन होने के साथ ही साथ महामहिम राष्ट्रपति द्वारा नामित भारतीय जीवन बीमा निगम के निदेशक पद पर भी रहे, वहीं पटना में वे इंडस्ट्रियल लेबर ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष भी थे। कार्यक्रम में पटना हाई कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस समरेंद्र प्रताप सिंह, सीनियर एडवोकेट वाई वी गिरी, एन के अग्रवाल, चार्टर्ड अकाउंटेंट डी बी गुप्ता, बिहार पंजाबी बिरादरी के अध्यक्ष दिलजीत खन्ना समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

बिहार बिज़नेस कनेक्ट 2024 की शानदार शुरुआत

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार सरकार की बहुप्रतीक्षित दो दिवसीय "बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024-ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट" की शुरुआतआज उद्योग विभाग, बिहार द्वारा पटना के ज्ञान भवन में किया गया।माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उनके अतिरिक्त, माननीय उप मुख्यमंत्री श्रीविजय कुमार सिन्हा, माननीय उद्योग-सह-पर्यटन मंत्री श्री श्री नीतीश मिश्रा एवंमाननीय श्रम मंत्री श्री संतोष कुमार सिंह ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी। बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 उद्योग विभाग, बिहार सरकार की एक ऐतिहासिक पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के पहले दिन आज कुल छह सत्र आयोजित किए। पहला सत्र "बिहार में निवेश के अवसर" थीम पर आधारित था। कार्यक्रम की शुरुआतपहले सत्र में बिहार गीत एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा कपूर के पौधे में पानी अर्पित किया गया, जो बिहार सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। श्री अलोक रंजन घोष, निदेशक, उद्योगविभाग, ने गणमान्य अतिथियों और देशभर से आए निवेशकों एवं श्रोताओं का अभिवादन स्वागत सम्बोधन से किया। वहीं श्रीमती बन्दना प्रेयशी, सचिव, उद्योग विभाग, ने पहले सत्र के थीम "बिहार में निवेश के अवसर" विषय पर एक व्यापक प्रस्तुति दी। इसमें उन्होंने बिहार में उद्योग की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न प्रोत्साहन नीतियों की विस्तृत जानकारी दी। सत्र को संबोधित करते हुए माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने कहा, "माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में बिहार में आज विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए अनुकूल माहौल बना है। यहाँ हर क्षेत्र के विकास के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध है। हमारे यहाँ कृषि का इतिहास काफी समृद्ध रहा है। बिहार कई फसलों के उत्पादन के मामले में सर्वोच्च है जैसे की मक्का, मशरुम, मखाना इत्यादि। यह फ़ूड प्रोसेसिंग उद्योग के लिए अनुकूल परिस्थिति उपलब्ध कराता है। साथ ही, हम उद्योगों के लिए भूमी की समस्या को भी बड़ी तत्परता से हल कर रहे हैं। इंफ्रास्ट्रचर और पर्यटन में भी बिहार अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है।" सत्र को संबोधित करते हुए माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा, "बिहार के उद्योगों का भी एक समृद्ध इतिहास रहा है। पिछले दो दशकों में हमने माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश मिश्रा के दिशानिर्देश में यहाँ के औद्योगिक नींव को और मजबूत किया है, जिसका परिणाम है कि निवेशकों की रूचि बढ़ी है। हम पिछले डेढ़ दशकों से डबल डिजिट ग्रोथ को कायम रखा है। राज्य में उद्योगों के सभी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति हो रही है। आज पहली बार बिहार मांइस के मामले में देश के मानचित्र पर तेजी से उभरा है। साथ ही हमने फिल्म के विकास के हमने अनुकूल नीति बनाई है और शूटिंग के लिए बेहतर लोकेशन का निर्माण किया है। इसके अलावा हम इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के मामले में आज देश में एक उदहारण बन चुके हैं। आनेवाले समय में बिहार सफलता की नई कहानी लिखने को तैयार है।" सत्र को संबोधित करते हुए माननीय श्रम मंत्री श्री संतोष कुमार सिंह ने कहा, "मानव संसाधन उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक है और बिहार इस मामले में धनी है। यहाँ की युवा शक्ति में अद्भुत क्षमता है, जिसकी पूरी क्षमता के उपयोग के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हम लगातार स्किलिंग पर काम कर रहे हैं। आज हमारे यहाँ 2400 से अधिक स्किल केंद्र हैं जो युवाओं को उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार कौशल विकास में मदद कर रहे हैं। हम उद्योगों की मानव संसाधन की मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।" इस सत्र के दौरान श्री नन्द किशोर, MD, बिहार स्टेट टूरिज्म कारपोरेशन, श्री सत्यजीत कुमार सिंह, चेयरमैन, CII, श्री सुमन कुमार, एजीकल्टिवडायरेक्टर, IOCL, श्री रजनीश कुमार, निदेशक, प्रिस्टीन ग्रुप, श्री चन्दनकुमार, MD, सेटनर, एवं श्री अशोक कुमार चौधरी, MD&CEO, औरोसुंदरम उपस्थित रहें।! कार्यक्रम का समापन श्री शेखर आनंद के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, वक्ताओं और आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

सत्र-2: फोस्टरिंग सिनर्जीः बिल्डिंग ए वाइब्रेंट आईटी/आईटीईएस एंडईएसडीएम इकोसिस्टम इन बिहार दूसरा सत्र "फोस्टरिंग सिनर्जीः बिल्डिंग ए वाइब्रेंट आईटी/आईटीईएस एंडईएसडीएम इकोसिस्टम इन बिहार" पर आधारित था। माननीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री संतोष कुमार सुमन ने मुख्य अतिथि के रूप में इस सत्र की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, बिहार सुंदरम के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने राज्य में आईटी क्षेत्र के विकास की संभावनाओं और सरकार के प्रतिबद्ध प्रयासों को रेखांकित किया। सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, बिहार सरकार ने बिहार आईटी पॉलिसी 2024 पर एक व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने इस नीति के तहत दिए जा रहे प्रोत्साहन व अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। इस सत्र ने राज्य के आईटी क्षेत्र में सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उद्योग जगत, नीति निर्माताओं और शिक्षाविदों को एक मंच पर लाने का कार्य किया। सत्र के दौरान इसके थीम पर एक पैनल डिस्कशन में उद्योग जगत के प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा किए। इसमें श्री सोमसत्संगी, सीईओ, एचपी, श्री मयंक सी, डायरेक्टर, एचपी, सुश्री प्रीत संधू, संस्थापक, एवीपीएल, श्री रघवेंद्र गणेश, सीईओ, होलोवेयर, श्री समीरजैन, प्रबंध निदेशक, प्राइमस पार्टनर्स, एवं श्री सिद्धार्थ रेड्डी, ग्लोबल मार्केटहेड, सीटीआरएलएस ने भाग लिया और राज्य में निवेश और सहयोग की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। अपने प्रेरक भाषण में सरकार के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन योजनाओं को साझा करते हुए माननीय सूचन प्रौद्योगिकी मंत्री श्री संतोष कुमार सुमन ने कहा, "बिहार आईटी हब के रूप में तेजी से उभर रहा है। बिहार के विकास में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हमारे यहाँ युवा इस क्षेत्र को लेकर काफी उत्साहित हैं वो न केवल इसका इस्तेमाल कर रहे हैं बल्कि इसमें इनोवेशन को लेकर भी रूचि दिखा रहे हैं। सरकार इस क्षेत्र में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।"

सत्र-3: नवीकरणीय ऊर्जा-कार्यक्रम का तीसरा सत्र "नवीकरणीय ऊर्जा" थीम पर आधारित था।माननीय ऊर्जा मंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में एक कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरुआत ऊर्जा विभाग के सचिव द्वारा स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विकास की संभावनाओं और बिहार सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। आगे उन्होंने "नवीकरणीय ऊर्जा" पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बिहार में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और अन्य हरित ऊर्जा स्त्रोतों के विकास के लिए तैयार योजनाओं और राज्य की नीतियों पर चर्चा की। मुख्य अतिथि के रूप माननीय ऊर्जा मंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य में निवेशकों को अनुकूल आधारभूत संरचना, आवश्यक सुविधाएं एवं राज्य सरकार द्वारा सक्रिय सहयोग प्रदान किया जा रहा है। साथ ही हम बिजली ट्रांसमिशन एवं वितरण और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य में निवेश करने हेतु निवेशकों को आमंत्रित कर रहे हैं।

सत्र के दौरान "फोस्टरिंग सिनर्जीः ऑपोरचुनिटी इन ग्रीन एनर्जी इन बिहार" विषय पर एक पैनल डिस्कशन में उद्योग जगत के प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा किए। इसमें श्री हितेश भाई, सीएमडी, वारी सोलर, श्री राज कुमार चौधरी, सीएमडी, एनएचपीसी, एवं श्री आशिष कटारिया, निदेशक, अशोका बिल्डकॉन ने भाग लिया। इन वक्ताओं ने बिहार में हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं और चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंत में नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड केप्रबंध निदेशक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने आयोजन कीसफलता में योगदान देने वाले सभी प्रतिभागियों और प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

सत्र-4: बिहार में एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए अवसर-कार्यक्रम का चौथा सत्र "बिहार में एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए अवसर" थीम पर आधारित था। माननीय उद्योग-सह-पर्यटन मंत्री श्रीनीतीश मिश्रा में मुख्य अतिथि के रूप में सत्र की गरिमा बढ़ाई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना और उन्हें आर्थिक विकास में मजबूत भूमिका निभाने के लिए तैयार करना था। श्री शेखर आनंद, निदेशक, तकनीकी विकास, उद्योग विभाग, ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम के विषय को प्रस्तुत किया। एमएसएमई क्षेत्र से दो उद्यमियों श्री अमरदीप कुमार, प्रबंध निदेशक, मोरंग देश अगरबत्ती, श्री विश्वनाथ ठाकुर, प्रबंध निदेशक, श्री ठाकुरएंटरप्राइजेज ने बिहार में बिज़नेस करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया की कैसे उद्योग विभाग ने उन्हें उनके सपने पुरे करने मेंसहयोग किया। स्टार्टअप क्षेत्र से श्री रजनीश कुमार, बीरो पावर के प्रतिनिधि, ने अपने अनुभव साझा किए और बिहार में स्टार्टअप्स के लिए अवसरों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में "स्टार्टअप बिहार" पर एक प्रेरणादायक फिल्म लॉन्च की गई।इसके बाद, हस्तकला और रेशम विभाग के निदेशक, श्री निखिल डी. निप्पणिकर ने स्टार्टअप बिहार योजना पर एक प्रस्तुति दी। सत्र के दौरान "बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ के रूप में स्टार्टअप्स औरएमएसएमई को विकसित करने की रणनीतियां" विषय पर एक पैनलडिस्कशन आयोजित की गई। इस चर्चा में श्री अज़हर इक़बाल, सह-संस्थापक और चेयरमैन, इनशॉर्ट्स, श्री अनुभा प्रसाद, क्षेत्रीय प्रमुख, सिडबी, श्री विश्वनाथ एमएस, संस्थापक, जुलाई वेंचर्स, श्री धीरज कुमारसिन्हा, संस्थापक, सक्सीड वेंचर्स, एवं श्रीमती पायल गांगुली, प्रबंधसंपादक, योरस्टोरी ने भाग लिया। इस डिस्कशन का संचालन प्रोफेसरराणा सिंह, निदेशक, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, ने किया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ताओं ने एमएसएमई और स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने कीआवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन श्री शेखर आनंद के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, वक्ताओं और आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

सत्र-5: बिहार में पर्यटन में निवेश के अवसर-कार्यक्रम का पांचवा सत्र "बिहार में पर्यटन में निवेश के अवसर" थीम परआधारित था। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि माननीय उद्योग-सह-पर्यटन मंत्री श्री नीतीश मिश्रा और विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। बीएसटीडीसी के प्रबंध निदेशक श्री नंद किशोर नेस्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम की पृष्ठभूमि और उद्देश्य पर प्रकाशडाला। सत्र को श्री दयाशंकर मिश्रा, निदेशक, नेशनल एडवेंचर फाउंडेशन, बिहार, कैप्टन श्री स्वदेश कुमार, संस्थापक सदस्य, एटीओएआई, एवं श्री संजीवअग्रवाल, सीईओ, फेयरफेस्ट मीडिया को सम्बोधित किया। श्री लोकेश कुमार सिंह, सचिव, पर्यटन विभाग, बिहार सरकार, ने राज्य मेंपर्यटन क्षेत्र के विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार कीनीतियों और योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि कैसे यहक्षेत्र रोजगार और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकताहै। माननीय मुख्य अतिथि माननीय उद्योग-सह-पर्यटन मंत्री श्री नीतीश मिश्रा नेकहा, "बिहार एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक भूमि रही है, जिसने हमेशासे ही देश विदेश के लोगों को आकर्षित किया है। पिछले कुछ वर्षों मेंहमने यहाँ के पर्यटन को और आकर्षक बनाने के लिए काम किया है। बोधगया, राजगीर, मरीन ड्राइव कुछ ऐसे जगहों के उदहारण हैं जो पर्यटकों कोलगातार आकर्षित कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात इससे रोजगार के अनेकोंअवसरों का सृजन हो रहा है। हम पर्यटन को और आकर्षक बनाने के लिएआने वाले वर्षों में और अधिक तत्परता से काम करेंगे। बिहार में स्टार्टअपका माहौल भी काफी उत्साहवर्धक है। मुझे यहाँ के लोगों का रुझानस्टार्टअप की देखकर काफी प्रसन्नता होती है। हर क्षेत्र में नए स्टार्टअपखुल रहे हैं और पर्यटन क्षेत्र भी इसमें शामिल है।" कार्यक्रम का समापन पर्यटन निदेशक, श्री विनय कुमार राय, के धन्यवादज्ञापन से हुआ। उन्होंने आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले सभीप्रतिनिधियों, वक्ताओं और उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

सत्र-6: स्किलिंग बिहार-कार्यक्रम का छठा और अंतिम सत्र "स्किलिंग बिहार" थीम पर आधारितथा। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के रूप में श्री संतोष कुमार सिंह, माननीय मंत्री, श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार ने कार्यक्रम की शोभाबढ़ाई। माननीय मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलनसे कार्यक्रम की शुरुआत हुई। बीएसटीडीसी के प्रबंध निदेशक श्री नंदकिशोर ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम की पृष्ठभूमि और उद्देश्य परप्रकाश डाला। श्री दीपक आनंद, सचिव, श्रम संसाधन विभाग औरसीईओ, बीएसडीएम ने अपने मुख्य भाषण में कौशल विकास को राज्यकी आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंनेसरकार की विभिन्न कौशल विकास योजनाओं और उनके प्रभावों परप्रकाश डाला। बीएसडीएम टीम ने कौशल विकास मिशन के तहत किए जा रहे कार्योंऔर योजनाओं पर एक व्यापक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में उद्योग जगत केप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार साझा किए और बताया कि कैसे कुशलमानव संसाधन औद्योगिक प्रगति में सहायक हो सकता है। मुख्य अतिथि के रूप में श्री संतोष कुमार सिंह, माननीय मंत्री, श्रम संसाधनविभाग, बिहार सरकार ने कहा, "..." सत्र का समापन एक खुली चर्चा के साथ हुआ, जहां प्रतिभागियों ने अपनेविचार और सुझाव साझा किए। अंत में, बीएसडीएम के अतिरिक्तसीईओ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी वक्ताओं, प्रतिभागियोंऔर आयोजन टीम का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

एलएम थापर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने एमबीए और पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश की घोषणा की

पटना। भारत के प्रमुख इंस्टीट्यूशन में से एक थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (टीआईइटी) ने अपने बिजनेस स्कूल, एलएम थापर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में एमबीए और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए प्रवेश की घोषणा की है। टीआईइटी अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता, रिसर्च में योगदान और इंडस्ट्री से मजबूत जुड़ाव के लिए प्रसिद्ध है। यह संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। टीआईइटी का हिस्सा होने के नाते, एलएम थापर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एकेडमिक एक्सीलेंस और इनोवेटिव रिसर्च के लिए प्रतिबद्ध है। इसके एमबीए और पीएचडी कार्यक्रम छात्रों को ज्ञान, कौशल और अवसरों से लैस करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए हैं ताकि वे आज के कॉम्पटेटिव ग्लोबल एनवायरमेंट में सफल हो सकें। यह स्कूल भविष्य के नेताओं को तैयार करने की अपनी परंपरा को कायम रखे हुए है, जो अलग अलग इंडस्ट्री और कम्युनिटीज पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। प्रवेश प्रक्रिया में शैक्षणिक योग्यता, स्टैंडर्टाइज टेस्ट के स्कोर, इंटरव्यू और रिलेवेंट वर्क एक्सपीरियंस का मूल्यांकन शामिल है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। डॉ. गुर्बिंदर सिंह, निदेशक, डेरा बस्सी कैंपस (पंजाब), एलएम थापर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट और टीआईइटी, ने कहाः "एलएमटीएसएम में, हम भविष्य के नेताओं को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो अपने चुने हुए क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। हमारे कार्यक्रम शैक्षणिक कठोरता को प्रैक्टिकल इनसाइट के साथ जोड़ने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिससे छात्रों को तेजी से बदलती दुनिया में नेविगेट और नेतृत्व करने के टूल्स मिलें।

सोनपुर मंडल में कुलियों के बीच यूनिफॉर्म वितरण से खुशी का माहौल

सोनपुर । ठंड के मौसम को ध्यान में रख कर सोनपुर रेल मंडल के विभिन्न 22 महत्वपूर्ण स्टेशनों पर कार्यरत 432 कुलियों को ठंड को देखते हुए,मंडल रेल प्रबंधक श्री विवेक भूषण सूद एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री रौशन कुमार द्वारा उलेन एवं सूती यूनिफॉर्म वितरण किया गया।जिससे कुलियों के बीच इस ठंड के मौसम में ऊनी यूनिफॉर्म वितरण होने से काफी खुशी का माहौल है।कुलियों द्वारा मंडल रेल प्रबंधक एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक को आभार व्यक्त किया है।कुलियों को प्रति वर्ष 2 सेट सुविधा पास एवं 1 आउटडोर चिकित्सा की सुविधा प्रदान किया जाता है।

जनप्रतिनिधियों ने किया धान का क्रय मूल्य बढ़ाने की मांग

पंचदेवरी। गुरुवार को स्थानीय खालगांव पंचायत के सरपंच सह पंच सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष बृज किशोर दुबे ने पंचदेवरी बीडीओ राहुल रंजन के समक्ष सहकारिता विभाग के द्वारा धान का क्रय मूल्य बढ़ाने की की मांग पत्र दिया है । उन्होंने बताया कि डीजल के दाम बढ़ने से किसानों की लागत बढ़ गई है , और सहकारिता विभाग ने जिस मूल्य पर धान की खरीदारी की जा रही है ,उससे ज्यादा मूल्य पर खुले बाजार में धान बिक रही है , उन्होंने बतलाया कि यदि सहकारिता विभाग धान का क्रय मूल्य नहीं बढ़ाती है , तो हम सभी जन प्रतिनिधि हैं किसानों के हित के लिए सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ेंगे , जब तक धान का क्रय मूल्य नहीं बढ़ता है तब तक हम जनप्रतिनिधि चुप नहीं बैठेंगे , बीडीओ राहुल रंजन ने बताया है कि जनप्रतिनिधियों की मांग जायज है किसानों की समस्या को लेकर सम्बंधित जिले के वरीय पदाधिकारी से अवगत करा दिया जाएगा।

हिन्दी गौरव सम्मान' से विभूषित किए गए डा अनिल सुलभ

नई सोच एक्सप्रेस

» तीन दिवसीय 'नागालैंड साहित्य महोत्सव' का किया उद्घाटन, लोकार्पित हुई अनेक पुस्तकें

पटना। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष और सुप्रसिद्ध साहित्यकार डा अनिल सुलभ को 'हिन्दी गौरव सम्मान' के विशेष अलंकरण से विभूषित किया गया है। यह सम्मान उन्हें दीमापुर के पद्मपुखरी स्थित राष्ट्रभाषा हिन्दी संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय'नागालैंड साहित्य महोत्सव' में महोत्सव के अध्यक्ष और अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति के अध्यक्ष सुविख्यात कवि प्रज्ञान-पुरुष पं सुरेश नीरव और संस्थान के निदेशक पी ताकालीला ने प्रदान किया। गुरुवार की संध्या संपन्न हुए महोत्सव उद्घाटन-समारोह में उत्तराखंड के सुप्रसिद्ध कवि सुभास चंद्र सैनी के काव्य-संग्रह 'संभवामि युगे-युगे' , उत्तरप्रदेश के कवि डा धर्मेन्द्र सिंह धरम 'मैनपुरिया' के गीत-संग्रह 'अद्भुत है संसार हमारा' , पटना के सुविख्यात कवि प्रो रत्नेश्वर सिंह के काव्य-संग्रह 'कल्पना के पंख', संस्कृत की विदुषी और शायरा अमीना खातून के काव्य-संग्रह 'तस्कीन-ए-रिहाई' तथा कवयित्री अनीता प्रसाद के काव्य-संग्रह 'कविता के ओट से' का लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि डा अनिल सुलभ ने किया। अपने संबोधन में डा सुलभ ने आयोजकों के प्रति उनके सम्मान और साहित्य महोत्सव के आयोजन के लिए कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि सुदूर अहिन्दी भाषी इस प्रदेश में इस साहित्यिक अनुष्ठान का ऐतिहासिक महत्त्व है। हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति भावनात्मक लगाव को बल देने वाले इस भव्य महोत्सव से संपूर्ण भारतवर्ष को एक महान संदेश जाएगा। संपूर्ण भारत अब अपनी राष्ट्रभाषा और मातृभाषा के प्रति जागृत हो चुका है। भारत के लोग अब 'एक राष्ट्रभाषा' के महत्त्व और अनिवार्यता को समझने लगे हैं और 'हिन्दी' भारत की 'राष्ट्रभाषा' घोषित हो, इस हेतु एक स्वर भी देने लगे हैं। वे समझ गए हैं कि देश की एक राष्ट्रभाषा होने से ही पूरा भारत भावनात्मक और आत्मीय रूप से जुड़ सकेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नागालैंड में हिन्दी के प्रति बढ़ता प्रेम यहाँ की सत्ता पर स्नेहिल दवाब बनाएगा और यहाँ भी सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों में हिन्दी की प्राथमिक-स्तर से उच्च-स्तर की शिक्षा प्रदान की जाएगी तथा प्रदेश के काम-काज भी हिन्दी तथा स्थानीय भाषाओं में होंगे। 'अंग्रेज़ी' जो एक विदेशी भाषा है, उसका स्थान हिन्दी और अंगामी जैसी स्थानीय भाषाएँ लें। आरंभ में नागालैंड की स्थानीय बालाओं ने परंपरागत गीत और नृत्य से अतिथियों का भव्य स्वागत किया। उनके भाव-नृत्य और मधुर संगीत पर अतिथि गण और श्रोता झूमते रहे तथा तुमुल-नाद से कलाकारों का सम्मान बढ़ाया। वरिष्ठ कवयित्री मधु मिश्रा ने सरस्वती-वंदना की और श्रीनगर गढ़वाल के वरिष्ठ कवि विमल बहुगुणा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उद्घाटन-सत्र के पश्चात सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति की ओर से एक भव्य सर्वभाषा कवि-सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें विमल बहुगुणा ने 'गढ़वाली', डा धर्मेन्द्र सिंह धरम ने 'ब्रजभाषा', डा रत्नेश्वर सिंह ने 'भोजपुरी', डा रश्मि कुलश्रेष्ठ ने 'अवधी', श्यामल मजूमदार ने 'बांगला', राशदादा राश, नीरज नैथानी, अजय कुलश्रेष्ठ 'अजेय', अमीना खातून, मधुसूदन थपलियाल, आरपी कपरुवाण आदि कवियों और कवयित्रियों ने लोक-भाषाओं की मुग्धकारी गंध से सुधी श्रोताओं को मद-मस्त कर दिया। अंत में श्रीमती रुपाला ने अपनी मीठीवाणी से सबका धन्यवाद-ज्ञापन कर प्रथम दिवस की कार्यवाही संपन्न की। इस अवसर पर वरिष्ठ कवि प्रदीप भट्ट, लेमज़ेन इनसौंग, सुमन सैनी, पूजा राज, सुमन कुमार मोदी, रामानन्द ठाकुर, उमा शंकर शास्त्री आदि बड़ी संख्या में विद्वानों और विदुषियों की उपस्थित रही।

यूरो किड्स के बच्चों ने 7वीं वार्षिकोत्सव में दिखाया अपना हुनर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। यूरो किड्स स्कूल, रामजयपाल, अर्पणा बैंक कॉलोनी ने गुरुवार को अपना सातवां वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का आयोजन रामजयपाल नगर स्थित सरोज वाटिका में किया गया जिसमें स्कूल के सभी बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत मुख्य अतिथि साकेत आनंद, निदेशक (एमएस मेमोरियल अकेडमी), विशिष्ट अतिथि विशेष सचिव रूपेश कुमार श्रीवास्तव, (सेवानिवृत्त), पुलिस उप महानिरीक्षक वरुण कुमार सिन्हा, स्कूल की निदेशिका व प्राचार्या पीयूशा प्रिया श्रीवास्तव एवं स्कूल की काउंसलर नेहा कृष्णन द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने यूरो किड्स के सफलतापूर्वक 7 वर्ष पूरे होने पर अपनी ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने स्कूली जीवन में नैतिक मूल्य के महत्व पर आधारित अपने प्रेरक भाषण से बच्चों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा गणेश वंदना से की गई। इसके बाद स्कूल के बच्चों ने पिंगा, पॉम - पॉम, गोविंदा, शिव तांडव, भांगरा, तंबोला आदि गीतों पर नृत्य कर सभी को मोहित कर दिया। इसके साथ ही मैजिशियन का भी कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण यूकेजी के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सोशल मीडिया मोबाइल थीम रहा जिसे देख अन्य बच्चे जागरूक हुए। स्कूल के निदेशिका व प्राचार्या पीयूशा प्रिया श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है। हमारा विद्यालय सदैव मूल्य आधारित जीवन शैली की शिक्षा पर केंद्रित रहा है। हमलोग खेल - खेल में बच्चों के बीच पढ़ाई का माहौल तैयार कर रहे हैं, हमारे यहां 2 साल के ऊपर के बच्चे की पढाई, खेल - कूद, फ्रेंडली शिक्षक सहित सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी तरह की सुविधाएं व्यवस्थित हैं ताकि कोई भी अभिभावक अपने बच्चे को लेकर किसी तरह की संशय में नहीं रहे। उन्होंने बताया कि स्कूल में नामांकन या अन्य किसी जानकारी के लिए लोग 9065656111 पर संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति, माता - पिता और अभिभावक उपस्थित रहे।

त्रिवेणी नाट्य महोत्सव के दूसरे दिन नाटक ट्रिक और मांझी ने बटोरी तालियां

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। प्रेमचंद रंगशाला में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, कला संस्कृति युवा विभाग बिहार सरकार एवं एनसीजेडसीसी के सहयोग से माध्यम फाउंडेशन पटना द्वारा आयोजित तीन दिवसीय त्रिवेणी नाट्य महोत्सव - 2024 के दूसरे दिन ट्रिक और मांझी नाटक का मंचन हुआ। दोनों नाटकों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। नाटक ट्रिक का नाट्य रूपांतरण व निर्देशन बिहार के जाने माने रंगकर्मी धर्मेश मेहता ने किया। नाटक ट्रिक की कहानी मुंशी प्रेमचंद की दो कहानियों, खच्चर और समस्या पर आधारित है। नाटक ट्रिक की कहानी कचहरी में काम करने वाले मुंशी कुंदनलाल, उनकी पत्नी रामेश्वरी और कचहरी में काम करने वाले गरीबन और उनके सहकर्मियों के जीवन शैली एवं कार्यशैली के इर्द - गीर्द घूमती है। यह एक पारिवारिक हास्य.व्यंग नाटक है। नाटक का अंत मुंशी जी के संवाद - मैं जैसा भी हूँ पर हूँ तुम्हारा ही पर समाप्त हुआ। इस नाटक में धर्मेश मेहता, राकेश कुमार, सोनल कुमारी, रौशनी कुमारी, डॉ. रवींद्र कुमार चंद्र, सौरभ सिंह, अभिषेक कुमार, रंधीर सिंह, गौतम कुमार निराला, मोहम्मद सदरुद्दीन, मनोज मयंक, मीना देवी, गुड्डी कुमारी, कंचन वर्मा, मनोज मयंक, काजल कुमारी कलाकार के रूप में शामिल रहे जबकि नाटक के कहानीकार - मुंशी प्रेमचंद, नाट्य रूपांतरण व निर्देशन - धर्मेश मेहता, प्रकाश - उपेंद्र कुमार, राजकुमार शर्मा, मेक अप - अंजू कुमारी, मनोज मयंक, सेट - सुनील शर्मा, कोस्टुम - मो. सदरुद्दीन व प्रॉपर्टी - रणधीर सिंह, चित्र प्रिया ने किया। जबकि दूसरा नाटक प्रयागराज, उत्तर प्रदेश की संस्था स्नेह आर्ट एंड कल्चर द्वारा अजित दुबे की लिखित व पंकज गौर द्वारा निर्देशित नाटक मांझी का मंचन किया गया। यह नाटक बिहार के गया जिले के गहलौर गांव के रहने वाले दशरथ मांझी के जीवन पर आधारित सच्ची घटना है। दशरथ मांझी अपनी पत्नी से बहुत प्रेम करते थे, लेकिन 1959 में उनकी पत्नी पहाड़ से गिरकर घायल हो गई कुछ समय पश्चात उनकी मृत्यु हो गई, मृत्यु का सबसे बड़ा कारण गहलौर गांव की पहाड़ियों को पार कर 90 किलोमीटर दूर हॉस्पिटल ले जाने के लिए संसाधन उपलब्ध न होना, इस घटना के बाद दशरथ मांझी ने संकल्प लिया कि अपने गांव के मार्ग को सुलभ करने के लिए पहाड़ को काटकर रास्ता बनाए, उन्होंने एक हथोड़ा और छेनी से पहाड़ को काटना शुरू किया और देखते ही देखते हैं उन्होंने 170 मीटर लंबा, 7.7 मीटर गहरा और 9.1 मीटर चौड़ा रास्ता बनाया, इस कार्य को करने में उन्हें 22 साल (1960 - 1982) लगा। इस रास्ते के बनने से गया जिले अत्रि गांव और वजीरगंज सेक्टर की दूरी 55 किलोमीटर से घटकर 15 किलोमीटर हो गई। दशरथ मांझी एक ऐसा नाम जो प्रेम संकल्प और समर्पण से आम जनमानस को जोड़ता है तथा सिखाता है कि अगर इंसान दृढ़ निश्चय होकर कोई कार्य करें निश्चित उस कार्य में सफलता हासिल हो सकती है। इस नाटक में रोहित बाजपेयी, यश मिश्रा, हर्षलराज, अनुभव उपाध्याय, अभिषेक गिरि, प्रगति रावत, प्रियांशु कुशवाहा, कौस्तुभ मणि पाण्डेय, शरद कुशवाहा, विक्रांत केसरवानी, पंकज गौड़, प्रिया मिश्रा ने अपनी कलाकारी का बखूबी प्रदर्शन किया। वहीं इस नाटक में प्रकाश संयोजन - कमलेश सिंह (टोनी), संगीत संयोजन - प्रशांत वर्मा, मेकअप - हमीद अंसारी, सहायक निर्देशक - अभिषेक गिरि व परिकल्पना एवं निर्देशन पंकज गौड़ ने किया।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के लिए सही विकल्प हैं जन सुराज पार्टी: रंजीत

छपरा। बिहार में कौन पार्टी कब सत्ता में आ जाए और कब विपक्ष में यह समझ से बाहर की बात हैं। जब विधानसभा में किसी मुद्दे पर चर्चा होती है तो नेता कहते हैं, उस टाइम तो आप हमारे साथ ही न थे,तब विपक्ष कमजोर सा लगने लगती हैं इसलिए बिहार में विकल्प की जरूरत थी उक्त बातें जन सुराज पार्टी के राज्य परिषद सदस्य रंजीत सिंह ने पत्रकार वार्ता में कहीं। उन्होंने कहा कि चुनावी रणनीतिकार और जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने ऐलान किया है कि जन सुराज बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। पीके ने यह ऐलान किया और साफ कहा है कि उनकी पार्टी किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी। बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और वर्तमान सरकार से लोगों का मन भर गया है और जनता विकल्प की तलाश में है। उन्होंने जन सुराज को सही विकल्प बताया है। रंजीत सिंह का मानना है कि अब बिहार की राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव जन सुराज पार्टी ही ला सकती है।

प्रधानमंत्री पोषण योजना के अन्तर्गत पाक कला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

छपरा। नगरा प्रखण्ड के मध्य विद्यालय खैरा में रसोईया सह सहायकों का पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी रामनाथ बैठा एवं एमडीएम प्रभारी सानू आनन्द एवं एमडीएम ऑपरेटर जितेन्द्र कुमार एवं साथ ही मध्य विद्यालय खैरा के प्रधानाध्यापक नुरुल होदा अंसारी तथा नगरा बीआरसी के बीपीएम और बीआरपी के समक्ष प्रखण्ड के विभिन्न स्कूलों से आए तीस रसोईया को तीन दलों में बाँट कर प्रखण्डस्तरीय पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के में मध्य विद्यालय खैरा के प्रधानाध्यापक तथा बीआरसी के सभी पदाधिकारियों के द्वारा पाक कला में प्रथम स्थान प्राप्त रसोईयो को 2000 रु की राशि, द्वितीय स्थान के रसोईयों को 1500 रु की राशि तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले रसोईयादल को पुरस्कार के रूप में 1000 रु की राशि एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में सम्मिलित शिक्षको में मंटू मिश्र, विनोद कुमार शुक्ला, संजय राय, संजीव कुमार सहित मध्यविद्यालय खैरा के सभी शिक्षक सदस्य के रूप में मौजूद थे।

देसी शराब सहित आधा दर्जन लोग गिरफ्तार

सुगौली। स्थानीय पुलिस ने 160 लीटर देसी शराब,7 लीटर विदेशी शराब के साथ तीन कारोबारी व तीन पीने वाले सहित 6 लोगो को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थानाध्यक्ष अमित सिंह ने थाना क्षेत्र के अलग अलग जगहों पर पुलिस अधिकारी व पुलिस बल को छापेमारी करने के लिए भेजा। पुलिस ने मेहवा से 160 लीटर देसी शराब के साथ समलेश कुमार व भोला कुमार व 7 लीटर विदेशी शराब के साथ रामबाबू को पकड़ा।वही शराब पीने में सुगांव से रंजन कुमार,कोरैया से सुमन कुमार व मुधा छपरा से हरिनारायण को पकड़ा।थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

प्रतिभागियों के बीच किया गया पुरस्कार का वितरण

प्रखंड स्तरीय दो दिवसीय खेलकूद का हुआ समापन

पताही। नेहरू युवा केंद्र पूर्वी चम्पारण के तत्वावधान में बुधवार को पताही प्रखंड क्षेत्र के रुपनी चौक स्थित एसआरएच कैंब्रिज वर्ल्ड स्कूल में ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें पताही ब्लॉक के युवाओं ने इस भव्य प्रतियोगिता मे चढ़-बढकर हिस्सा लिया। 200 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में नितेश कुमार प्रथम, रॉकी कुमार दुसरा, रीषु पाल तीसरा स्थान प्राप्त कीया। और 100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में उज्ज्वला कुमारी ने प्रथम स्थान, अमृता कुमारी दुसरा स्थान जबकी खुशी कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। आज का खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ वालीबॉल से हुई जिसमे फाइनल मुकाबले में पदुमकेर को हराकर एसआरएच कैंब्रिज वर्ल्ड स्कूल विजय रही। बालक वर्ग कबड्डी में जिहुली को हराकर पताही की टीम विजय रही। वहीं गर्ल्स कबड्डी मैच में ज्योति सुर्या प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल के बालिकाएँ विजयी रही । वहीं एसआरएच कैंब्रिज वर्ल्ड स्कूल के बालिकाएँ उपविजेता का खिताब हासिल कीया। बालक बैडमिंटन में प्रथम स्थान अमर, दुसरा स्थान रॉकी जबकी तीसरा स्थान अभिषेक ने प्राप्त कीया। बालिका बैडमिंटन में निशा कुमारी प्रथम स्थान, प्रियांका कुमारी दुसरा स्थान जबकी अनु कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त कीया। एसआरएच कैंब्रिज वर्ल्ड स्कूल के चेयरमैन ई. संजय कुमार ने कहा कि ये अच्छी पहल है कि युवाओं को खेलो से जोड़ा जा रहा है और इस प्रतियोगिता में विभिन्न गांव और स्कूल से आए बालक, बालिकाएं भाग ले रहे हैं। एसआरएच कैंब्रिज वर्ल्ड स्कूल प्रधानाचार्य डॉ. ज्योत्स्ना ने कहा कि युवाओं के खेलो से जोड़ने ओर नशे से दूर रखने की यह अच्छी पहल है। नेहरू युवा केंद्र राष्ट्रीय स्वयंसेवक संजय कुमार ने कहा कि नेहरू युवा केंद्र युवाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिता करवाता रहता है। समापन अवसर पर एसआरएच कैंब्रिज वर्ल्ड स्कूल के चेयरमैन ई. संजय कुमार, शिक्षक रवि कुमार, संतोष राउत, जेयौल्लाह सर, अर्पित श्रीवास्तव द्वारा विजेताओं को ट्रॉफी, मेडल, प्रमाण पत्र और स्पोर्ट्स किट देकर सम्मानित किया गया।

लग्जरी कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ दो कारोबारी गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। सारण पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस द्वारा जिले में अवैध शराब का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में तरैया थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक सफेद रंग की गाड़ी जिस पर शराब लदा हुआ है, मशरक की तरफ से आ रही है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तरैया थाना पुलिस टीम रामबाग घंटी बाबा के पास पहुंची तो उनकी नजर मशरक के तरफ से एक सफेद रंग की गाड़ी आ रही है। जिसे पुलिस बल के द्वारा रोकने का प्रयास किया गया तो पुलिस को देखकर चालक गाड़ी लेकर भागने लगा। जिसे पुलिस बल के द्वारा पीछा कर मांझोपुर चेक पोस्ट के पास पकड़ लिया गया। तलाशी के क्रम में उक्त वाहन से 135.150 लीटर विदेशी शराब बरामद कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इस संदर्भ में तरैया थाना कांड सं0-466/24 बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधि० दर्ज किया गया है. इस कांड में संलिप्त शराब तस्करों / कारोबारियों की गिरफ्तारी हेतु अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है. गिरफ्तार अभियुक्त वैशाली जिला के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत जदुआ गांव निवासी राजा कुमार ठाकुर एवं राजीव कुमार महतो है। छापामारी टीम में तरैया थाना अध्यक्ष पु०अ०नि० आशुतोष सिंह, पु०अ०नि० प्रभुनारायण यादव एवं थाना के अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

गिरते लिंगानुपात के प्रति जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। महिला एवं बाल विकास निगम, जिला प्रशासन जहानाबाद के तत्वाधान में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिला में तीन दिवसीय नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम से 20 दिसंबर तक चलेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पीसीपीएनडीटी एक्ट, कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम, लैंगिक असमानता और समाज में बेटियों के महत्व के विषयों पर जागरूकता फैलाना है। इसके अलावा, जिले में गिरते हुए लिंगानुपात के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज में बेटियों के शिक्षा और संरक्षण के लिए प्रेरित करना भी इस अभियान का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न गांवों में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया है, जिसमें कलाकारों ने पीसीपीएनडीटी एक्ट, कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम, लैंगिक असमानता और समाज में बेटियों के महत्व के विषयों पर प्रकाश डाला है। आज दिनांक 18 दिसंबर को बाल विकास परियोजना मखदुमपुर अंतर्गत मुस्सी, नेर, कोयरिया चातर तथा बाल विकास परियोजना घोषी अंतर्गत साहो बिगहा, शाहपुर , भारथू, और बाल विकास परियोजना जहानाबाद ग्रामीण अंतर्गत कल्पा मुसहरी, बाजितपुर, अमैन गांव में तीन दलों द्वारा नुक्कड़ नाटक किया गया।इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाओं, बुजुर्गों, आंगनवाड़ी सेविका, सहायिका सहित ग्रामीणों ने भाग लिया है।

मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से जिले के चिन्हित 75 खेल मैदान के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। जिला के कुल 88 पंचायत में से 75 पंचायत में खेल मैदान को चिन्हित किया गया था। जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रिमोट के माध्यम से उद्घाटन किया गया। भूमि की उपलब्धता के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में तीन प्रकार के खेल मैदान बनाये जा रहे हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल को बढ़ावा देने एवं ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को खेलकूद के अवसर प्रदान करने के साथ साथ खेल की आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा योजना के तहत ग्राम पंचायत में खेल मैदान बनाये जा रहे हैं। खेल मैदान के विकास के फल स्वरुप जिले के ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और प्रोत्साहन भी मिलेगा। पहले प्रकार के बड़े खेल मैदान में क्रिकेट, फुटबाल, बास्केटबाल, वॉलीबॉल, रनिंग ट्रेक, बैडमिंटन, लंबी कूद,कबड्डी, खो खो आदि की खेल सुविधाएं उपलब्ध की जाएगी। दूसरे प्रकार के खेल मैदान में क्रिकेट फुटबाल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, रनिंग ट्रेक, बैडमिंटन, ऊंची कूद और लंबी कूद की सुविधा स्थानीय आवश्यकता के अनुसार बनाये जाएंगे। तीसरे प्रकार के खेल मैदान में बास्केटबॉल, वॉलीबॉल,रनिंग ट्रैक और बैडमिंटन को शामिल किया गया है।

लेट्स इंस्पायर बिहार

राहुल कुमार सिंह
मुख्य कोऑडिनेटर, लेट्स इंस्पायर, बिहार

अधिकांश लोग अपने बिहार को बेहतर देखना चाहते हैं

एक लाख पचास हजार सदस्यों के साथ विकास वैभव प्रेरित कर रहे बिहार।

नई सोच एक्सप्रेस

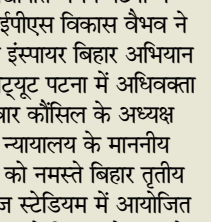

[22 मार्च 2021 के दिन लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान की शुरुआत की गई। आईपीएस विकास वैभव के आत्मविश्वास ने सबको साथ लेकर चलने के लिए एक चुनौती भरा और दुरूह कार्य अपने हाथों में ले लिया और तब से आज 20 दिसंबर 2024 तक उनके कदम रुके नहीं है, अपने बिहार को संवारने और सजाने के लिए लगातार कठिन परिश्रम कर रहे है।] वैसे तो अब तक लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के तहत 1600 से ज़्यादा कार्यक्रम आयोजित किया जा चुका हैं। करोड़ों युवाओं को देश भक्ति का पाठ पढ़ा कर सही मार्ग प्रशस्त करने में कामयाब यह अभियान अब तक का सबसे बड़ा सामाजिक अभियान बिहार का बन चुका है। इस अभियान की उड़ान तब तेज हुई जब खुले मैदान में संवाद करने का फैसला आईपीएस विकास वैभव ने लिया। बिहार के युवाओं के प्रिय बन गए आईपीएस विकास वैभव का साथ भी जबरदस्त मिल रहा है। 10 दिसंबर 2023 नमस्ते बिहार प्रथम बृहत संवाद जी डी कॉलेज बेगूसराय में लगभग 55000 लोग एकत्रित हुए। मैं बदलूंगा/ बदलूंगी बिहार से संकल्पित हुआ दिनकर की भूमि। 23 दिसंबर 2023 NDMC दिल्ली विजन@2047 के लिए चिंतन और संवाद। 21 जनवरी 2024 नमस्ते बिहार द्वितीय बृहत संवाद महाराजा कॉलेज आरा भीषण ठंड के बावजूद हजारों युवाओं ने आईपीएस विकास वैभव का मनोबल बढ़ाने का कार्य किया। बाबू कुंवर सिंह की धरती पर गुंजायमान जय बिहार। अंतर्राष्ट्रीय विमेन्स डे पर 3 मार्च को जे डी विमेन्स कॉलेज में लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान गार्गी अध्याय के द्वारा अपने अपने क्षेत्र में कुशल लतभग 300 महिलाओं को सम्मानित किया गया। जून 2024 लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान चिंतन शिवर पटना में। गार्गी सावन महोत्सव अगस्त 2024 में आयोजित हुआ। स्टार्टअप सम्मिट 25 अगस्त 2024 विद्यापति भवन पटना में आयोजित , जिसमें 300 न्यू स्टार्टअप को आईपीएस विकास वैभव ने सम्मानित किया। 5 अक्तूबर 2024 को लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के अधिवक्ता अध्याय द्वारा एलएन मिश्रा इंस्टीट्यूट पटना में अधिवक्ता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बार कौंसिल के अध्यक्ष और हजारों अधिवक्ताओं के साथ पटना उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश भी उपस्थित रहे। 1 दिसंबर 2024 को नमस्ते बिहार तृतीय बृहत संवाद सासाराम रोहतास के न्यू फ़ज़लगंज स्टेडियम में आयोजित किया गया। जहां फिर से 55 हज़ार युवाओं ने अपने बिहार को बदलने का संकल्प लिया। 8 दिसंबर 2024 नमस्ते बिहार चतुर्थ बृहत संवाद कार्यक्रम राजेंद्र स्टेडियम छपरा सारण में आयोजित किया गया जहां 35 हज़ार युवाओं ने जय बिहार से गुंजायमान किया जय प्रकाश नारायण और भिखारी ठाकुर की धरती। 22 दिसंबर 2024 को भारत मंडपम में पुनः एकत्रित होंगे विजन@ 2047 द्वितीय सेशन के लिए और बिहार में 9 करोड़ युवाओं के भविष्य को सुरक्षित और मजबूत करने के लिए, अभियान में योगदान देने के लिए समर्थवानों और साकारात्मक लोगों से किया जाएगा आह्वान। यात्रा गतिमान है और तब तक गतिमान रहेगा जब तक बिहार के हर ग्राम के लोग लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के सदस्य न हों जाएं, यह सपना निश्चित ही सत्य होगा क्योंकि बिहार के अधिकांश लोग अपने बिहार को बेहतर देखना चाहते हैं।

फतुहा भाजपा कार्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

» घेघा का होम्योपैथिक में है इलाज

फतुहा। भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता रेखा शर्मा ने किया तथा मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल, संचालन सीमा कुमारी। मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि शरीर में अंगों को सही रूप से कार्य करने के लिए अनेक तत्वों की जरूरत होती है। जब यह तत्व पर्याप्त मात्रा में शरीर को उपलब्ध नहीं होते हैं तो शरीर के अंग ठीक ढंग से कार्य संपन्न नहीं कर पाती। शरीर के लिए आवश्यक इन्हीं तत्वों में से एक है आयोडीन, आयोडीन की कमी से उत्पन्न घेंघा रोग खतरनाक हो सकता है। घेंघा का शरीर पर व्यापक प्रभाव होता है और उसमें अनेक प्रकार की तकलीफें उत्पन्न हो सकती है। कभी-कभी थायराइड ग्रंथि ज्यादा सूजकर लटक जाती है ,तो गर्दन घुमाने, खाना निगलने तथा वायु नली दबाव के कारण सांस लेने में तकलीफ होती है। थकावट महसूस होती रहती है। केंद्रीय तंत्रिका तंत्र पर्याप्त कार्य नहीं कर पाती है, इसकी वजह से शरीर व मस्तिष्क बढ़ोतरी में रुकावट आ सकती है, भूख बढ़ जाती है, वजन घटता जाता है शरीर की मांसपेशियां कमजोर हो जाती है तथा कहीं-कहीं बुखार दस्त, मिचली ,उल्टी, खाने के बाद पेट में दर्द हो सकता है। स्वभाव में बेचैनी,चिड़चिड़ापन,पसीना ज्यादा होता है तथा बाल सफेद होने लगते हैं तो त्वचा भी खुरदरी होने लगती है। यदि गर्भवती महिलाओं को घेंघा हो तो उसका बच्चे पर खतरनाक असर पड़ सकता है। इससे बच्चा बहरा हो सकता है। उसका मानसिक विकास रूक सकता है तथा बच्चा बोनपन का शिकार हो सकता है । घेंघा में सूजन धीरे-धीरे बढ़ती है यदि सूजन बहुत तेजी से बढ़े तो और उसमें अनेक तकलीफ में भी ज्यादा हो तो जांच करवा कर तत्काल उपचार प्रारंभ कर देना चाहिए। होम्योपैथिक उपचार घेंघा के उपचार में होम्योपैथिक काफी प्रभावकारी उपचारित हुई है। इन औषधियों का प्रयोग बनावट आदि को ध्यान में रोगी के व्यक्तिगत लक्षणों ,व्यवहार सहित बनावट आदि को ध्यान में रखकर की जाती है।

(1) जब और घेंघा अधिक कड़ा हो तो होम्योपैथिक दवा ब्रोमियम 1 एम का प्रयोग किया जा सकता है।(2) देखा का प्रथम अवस्था में थायराइड ग्रंथि का बढ़ना वजन में कमी, बेचैनी आदि के लक्षण में दवा बेलाडोना 200 एक बूंद एक बार रोज लिया जा सकता है।(3) घेंघा व मोटापा ,सिर व गर्दन से अधिक पसीना के लक्षण हो तो कैल्केरिया कार्ब दिया जा सकता है। 200 एक बूंद एक बार रोज।(4) देगा में भूख ज्यादा लगना, अच्छा खाने के बाद भी दुबला होते जाना आदि लक्षण हो तो दवा आयोडीन 200/1एम का इसका प्रयोग किया जा सकता है।(5) थायराइड ग्रंथि में सूजन गाला सुखा और जलन के लक्षण हो तो स्पांजिया दवा 200का प्रयोग किया जा सकता है। इसके अलावा लक्षणों के आधार पर लाइकोपोडियम ,कास्टिकम, कैलकेरिया आयोड आदि दवा इस्तेमाल की जा सकती है।इस अवसर पर सुनील कुमार, पुनम पटेल, कुसुम पटेल, आरती पटेल, शोभा पटेल, पूजा कुमारी, अंकुश कुमार,अनीष कुमार, सीमा कुमारी, अनीता पाटनी, डॉ मनीषा कुमारी, बबलू शाह, अनामिका पांडे , ममता पटेल, संजू कुमारी, जितेंद्र मिस्त्री आदि शामिल हुए।

पजिअरवा पंचायत में विकास को मिल रही रफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

सुगौली। प्रखंड के पजिअरवा पंचायत में पंचायत के मुखिया अशोक पासवान ने कर्मठता और प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए पंचायत में विकास के काम को रफ्तार दिया है। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत में गली नली का काम लगभग पूरा करा लिया गया है। अब पजिअरवा गांव की हर गली और सड़क का पक्कीकरण किया जा चुका है और उसको मुख्य सड़क से जो दिया गया है। साथ साथ कच्ची नालियों का निर्माण करके उनको ढक दिया गया है ताकि गंदगी का प्रसार ना हो। नली गली के निर्माण से ग्रामवासियों को राहत मिली है और जल निकासी की समस्या का समाधान हो गया है। पंचायत के मुखिया अशोक पासवान ने बताया कि उनकी प्रतिबद्धता है कि राज्य सरकार के द्वारा चलाए जा रहे विकास की हर योजना को पंचायत में सबसे पहले लागू करें। निर्माण कार्य में को अनियमितता ना हो इससे वह खुद निर्माण स्थल का निरीक्षण करते हैं और मौके पर।मौजूद रहते हैं। गौरतलब है कि पजिअरवा पंचायत का हर गांव में गली नली का काम मुस्तैदी से चल रहा है। गांव की समस्याओं को चिह्नित करके उसका समाधान के लिए भी प्रयास किया जा रहा है। ग्रामवासियों ने भी मुखिया के काम की सराहना की है।

भारत के गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

बिहारशरीफ। बिहारशरीफ के अस्पताल चौक स्थित अति पिछड़ा/ दलित/ अल्पसंख्यक संघर्ष मोर्चा के तत्वाधान में भारत के गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया गया। इस मौके पर अतिपिछड़ा/ दलित/ अल्पसंख्यक संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदेव चौधरी प्रदेश अध्यक्ष सह संस्थापक बलराम दास ने संयुक्त रूप से गृह मंत्री अमित शाह जी संसद में बाबा साहेब अंबेडकर जीके बारे में जो बयान दिए हैं उसकी निंदा करते हुए कहा कि अमित शाह जी संसद में बाबा साहेब अंबेडकर का मजाक उड़ा रहे हैं। इन बीजेपी वालों को इतना अहंकार हो गया है कि यह किसी को कुछ नहीं समझते इसलिए तो लोकसभा चुनाव के समय 400 सीट के पार के नारे लगा रहे थे ताकि बाबा साहेब का संविधान बदला जा सके। बीजेपी का मूल एजेंडा है कि बाबा साहेब का संविधान बदलकर पुणः मनु स्मृति लागू करना। बाबा साहब का बनाया संविधान जब भारत में लागू हुआ तो उस समय भी इनके पूर्वज संविधान के प्रतियाँ जलाने का काम किए थे और आज भी कर रहे हैं।आज भारत के गृह मंत्री अपने पूर्वज के नक्शे कदम पर चल कर भारत में मनुस्मृति लागू करवाना चाहते हैं। बाबा साहब इस देश के बच्चे- बच्चे के लिए भगवान से काम नहीं है मरने के बाद स्वर्ग का तो पता नहीं लेकिन बाबा साहेब का संविधान ना होता तो आज दबे,कुचलों, गरीबों और दलितों को इस धरती पर जीने का अधिकार नहीं होते। बाबा साहब अंबेडकर के चाहने वालों को स्वर्ग नहीं स्वार ही अवश्य चाहिए। संविधान के शिल्पकार के प्रति ऐसी सोच बीजेपी और आरएसएस की पाठशाला से ही पनपती है। देश के 100 करोड़ से अधिक वंचित, अपेक्षित, उत्पीडित,शोषित, उपहाशित, दलित,पिछड़े,गरीब, अल्पसंख्यक एवं समता, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, बंधुता और संविधान में यकीन रखने वाले न्यायप्रिय लोगों के लिए बाबा साहेब अंबेडकर भगवान से भी कम नहीं है। बाबा साहब ने करोड़ों लोगों को नारकीय जीवन से छुटकारा दिलाकर इसी जीवन में जीते जी ही मोक्ष प्राप्त कर दिया। संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति माननीय गृह मंत्री की ऐसी संकीर्ण सोच कि हम निंदा तथा माफी की मांग करते हैं। पुतला दहन में अति पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक संघर्ष मोर्चा के जिला महासचिव उमेश पंडित जिला उपाध्यक्ष महेंद्र प्रसाद आशुतोष कुमार मुखर्जी अनिल पटेल अधिवक्ता सुरेश कुमार दास दिलीप कुमार कल्याण कुमार मोहम्मद अब्दुल्ला अवधेश पंडित आदि लोग शामिल हुए। रामदेव चौधरी अति पिछड़ा /दलित/ अल्पसंख्यक संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह फुटपाथ संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष।

बिहार को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाना जन सुराज का लक्ष्य : युवराज

नई सोच एक्सप्रेस

» जनवरी से होगी हर घर जनसुराज अभियान की शुरुआत

छपरा। जन सुराज पार्टी की बैठक गुरुवार को धरहरा खुर्द पंचायत में संयोजक भानु प्रताप सिंह के आवास पर प्रखंड अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सारण जिला संयोजक प्रियरंजन युवराज शामिल हुए । बैठक को संबोधित करते हुए युवराज ने कहा कि जनसुराज की पहली प्राथमिकता बिहार में पलायन कर चुके लोगों को अपने गृह राज्य में बुलाकर उनके रोजगार की समुचित व्यवस्था करना व पलायन रोकना है। संगठन को मजबूत करने के लिए हर घर जन सुराज अभियान के तहत जन सुराज की नीतियों कों घर घर तक पहुंचाया जाएगा। हम सभी को मिलकर हर घर जनसुराज अभियान को सफल बनाना है। अभियान को जमीनी स्तर पर पहुंचाने के लिए जनवरी माह में प्रखंड स्तर पर कोर कमेटी का गठन किया गया है। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, किसान अध्यक्ष महेश प्रसाद, नीरज कुमार रवि,कुलदीप महासेठ,ऊषा देवी,मनोरमा कुमारी,मून्ना बैठा,सुरेश महतो,प्रवीण कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सीडीएसएल आईपीएफ ने पटना में निवेश जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों को आत्मनिर्भर निवेशक बनने के लिए शिक्षित किया

पटना। सीडीएसएल इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फंड (सीडीएसएल आईपीएफ) ने पटना, बिहार में छात्रों के लिए निवेश जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पहल चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट और पटना मुस्लिम सीनियर सेकेंडरी हाई स्कूल में आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना और निवेशकों को पूंजी बाजारों में अपने निवेश के संबंध में सूचित निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाना था, साथ ही निवेश के मूल सिद्धांतों पर भी प्रकाश डालना था। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह पहल व्यापक दर्शकों तक पहुंचे, कार्यक्रम हिन्दी भाषा में आयोजित किया गया। वक्ताओं ने छात्रों के लिए निवेश की अवधारणाओं को सरल बनाया, जिसमें निवेश की मूल बातें और डिपॉजिटरी सेवाएं जैसे विषय शामिल थे। चूंकि निवेशक शिक्षा पूंजी बाजारों में वित्तीय समावेशन प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, सीडीएसएल आईपीएफ का उद्देश्य निवेशकों को पूंजी बाजारों की जटिलताओं को आत्मविश्वास के साथ समझने और #आत्मनिर्भर निवेशक बनने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। वित्तीय साक्षरता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध, सीडीएसएल आईपीएफ इस वर्ष देश भर में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना जारी रखेगा।

डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स ने एंकर निवेशकों से 251 करोड़ रुपये जुटाए

पटना। निवेश बैंक डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स ने बुधवार को कहा कि उसने सार्वजनिक सदस्यता के लिए अपनी आरंभिक शेयर-बिक्री खुलने से एक दिन पहले एंकर निवेशकों से 251 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बीएसई की वेबसाइट पर अपलोड किए गए एक परिपत्र के अनुसार, नोमुरा, गोल्डमैन सैक्स, एचएसबीसी, सोसाइटी जनरल, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड (एमएफ), एचडीएफसी एमएफ, कोटक एमएफ और आदित्य बिड़ला सन लाइफ एमएफ एंकर निवेशकों में शामिल हैं। सर्कुलर के अनुसार, डीएएम कैपिटल ने 33 फंडों को 283 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 88.86 लाख शेयर आवंटित किए हैं, जो कि प्राइस बैंड का ऊपरी छोर भी है। इस तरह कुल लेनदेन का आकार 251.48 करोड़ रुपये हो गया है। 269-283 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड वाली यह आरंभिक शेयर-बिक्री 19 दिसंबर को सार्वजनिक सदस्यता के लिए खुलेगी और 23 दिसंबर को समाप्त होगी। यह आईपीओ पूरी तरह से 840.25 करोड़ रुपये मूल्य के 2.97 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) है, जो प्रमोटर और निवेशकों द्वारा मूल्य बैंड के ऊपरी छोर पर है, जिसमें कोई नया निर्गम घटक नहीं है। ओएफएस में शेयर बेचने वालों में प्रमोटर धर्मेश अनिल मेहता, निवेशक मल्टीपल्स अल्टरनेट एसेट मैनेजमेंट, आरबीएल बैंक, ईजीएक्सेस फाइनेंशियल सर्विसेज और नरोत्तम सत्यनारायण सेखसरिया शामिल हैं। चूंकि पूरा इश्यू एक ओएफएस है, इसलिए आईपीओ से होने वाली सारी आय सीधे कंपनी के बजाय बेचने वाले शेयरधारक को जाएगी। अपने ड्राफ्ट पेपर्स में, कंपनी ने कहा कि वह स्टॉक एक्सचेंजों पर इक्विटी शेयरों को सूचीबद्ध करने का लाभ प्राप्त करने और बेचने वाले शेयरधारकों को ओएफएस के माध्यम से अपने शेयर बेचने की अनुमति देने के लिए सार्वजनिक होने की योजना बना रही है। मूल्य बैंड के ऊपरी छोर पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2,000 करोड़ रुपये आंका गया है। इश्यू का आधा हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 35 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए और शेष 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित किया गया है। डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स (i) निवेश बैंकिंग के क्षेत्रों में वित्तीय समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जिसमें इक्विटी पूंजी बाजार (ईसीएम), विलय और अधिग्रहण (एम एंड ए), निजी इक्विटी (पीई), और संरचित वित्त सलाह शामिल हैं; और संस्थागत इक्विटी जिसमें ब्रोकिंग और अनुसंधान शामिल हैं। क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेहता की अध्यक्षता में, डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स देश में एक अग्रणी निवेश बैंक है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 24 में बुक-रनिंग लीड मैनेजर के रूप में इसके द्वारा किए गए आईपीओ और योग्य संस्थागत प्लेसमेंट की संख्या के आधार पर 12.1 प्रतिशत है। नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट इस इश्यू के लिए एकमात्र मर्चेंट बैंकर है। कंपनी के इक्विटी शेयर 27 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने की उम्मीद है।

समस्तीपुर के आस्थानीय विधायक ने आज राजद का सदस्यता अभियान चलाया

समस्तीपुर। समस्तीपुर के स्थानीय विधायक सह बिहार विधान सभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन के नेतृत्व में शहर के हसनपुर तथा हरपुर एलौथ में राजद का सदस्यता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी प्रमोद पंडित, संचालन जिला राजद महासचिव रामकुमार राय तथा धन्यवाद ज्ञापन रमाकांत राय ने की। इस दौरान सत्र 2025 -2028 के लिए लगभग 270 लोगों को रशीद काट कर राजद का सदस्य बनाया गया। विधायक ने इस दौरान लोगों से अभी से वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया। कहा कि जब बिहार में 17 महीने की महागठबंधन की सरकार थी, तो पांच लाख युवाओं को नौकरी मिली, लेकिन आज दो-दो उपमुख्यमंत्री हैं, फिर भी लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लालू जी ने सबको जगाया, वे चाहते हैं कि सामाजिक न्याय और सत्ता मे भागीदारी की किरण समाज के उपेक्षित, अभिवंचित तक पहुचे ।सब घर आंगन खुशहाल हो। मौके पर जिला प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, जिला राजद नेता प्रमोद पंडित, जिला राजद उपाध्यक्ष राम विनोद पासवान, जिला महासचिव रामकुमार राय, समाजसेवी रमाकांत राय, युवा राजद जिलाध्यक्ष पप्पू यादव, मीडिया प्रभारी मन्नू पासवान, जिला महासचिव राकेश यादव, जिला महासचिव मो० परवेज आलम, पैक्स अध्यक्ष जयशंकर राय, पूर्व मुखिया मुकेश कुमार, राजद नेता प्रोफेसर जितेन्द्र प्रसाद उर्फ ननकी, योगेन्द्र पंडित, मुखिया अमरजीत सिंह कुशवाहा, पूर्व उप सरपंच अमरेश राय, संजय राय, सूरज राय, हरिनारायण राय, अनिता देवी, संगीता देवी, संतोष पासवान, रामनारायण राय, चक्रधर सिंह आदि मौजूद थे।

अहिलवार पंचायत में खेल मैदान का उद्घाटन

समस्तीपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत गुरुवार को प्रखंड के अहिलवार पंचायत अंतर्गत गिजरी गांव में खेल मैदान का उद्घाटन मुखिया ममता कुमारी व सरपंच आशा देवी ने विधिवत शिलापट्ट का अनावरण कर किया। इस दौरान मुखिया ममता कुमारी ने कहा कि मैदान का समतलीकरण होने से क्षेत्र के खिलाड़ियों को प्रेक्टिस करने में लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि गांव में एकमात्र खेल मैदान है जिसे समतलीकरण किया गया है। मैदान के समतलीकरण होने से ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को फुटबॉल व क्रिकेट के अलावा अन्य स्पोर्ट्स में शामिल होने के लिए प्रेक्टिस करने का मौका मिलेगा। इस मौके पर डब्लू यादव,अरुण यादव,रामबाबू रंगीला,नीतीश कुमार, बिरंची यादव,रंजीत महतों, विजय कुमार,पवन यादव,प्रदीप यादव सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

शरवरी गोदरेज प्रोफेशनल की पहली ब्रांड एंबेसडर बनीं

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) की ओर से हेयर कलर और हेयर केयर की पेशकश करने वाले प्रमुख प्रोफेशनल हेयर ब्रांड गोदरेज प्रोफेशनल ने बॉलीवुड की उभरती हुई स्टार शरवरी को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है। यह घोषणा गोदरेज प्रोफेशनल स्पॉटलाइट के ग्रैंड फिनाले में की गई, जो राष्ट्रीय स्तर पर हेयर स्टाइलिस्टों का जश्न मनाने वाला एक मंच है। मुंज्या, महाराज और वेद जैसी फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाने वाली शरवरी स्टाइल, आत्मविश्वास और सशक्तिकरण के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता को बखूबी दर्शाती हैं। उनका फैशन-फॉरवर्ड व्यक्तित्व और मूल्य गोदरेज प्रोफेशनल के साथ सहजता से मेल खाते हैं, जो उन्हें ब्रांड का आदर्श चेहरा बनाते हैं। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) के अभिनव ग्रांधी ने कहा, "गोदरेज प्रोफेशनल स्पॉटलाइट को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से हम बेहद गौरवान्वित हैं। यह मंच न केवल प्रतिभाशाली हेयरस्टाइलिस्टों को अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि शिक्षा और प्रशिक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। इस पहल के माध्यम से, हमारा लक्ष्य स्टाइलिस्टों को तेजी से प्रतिस्पर्धी बाजार में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव प्रदान करना है। यह भारत के सैलून पेशेवरों को पोषित करने और उनका उत्थान करने की हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की दिशा में हमारे कदमों में से एक है।" इस गठजोड़ के बारे में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, शरवरी ने कहा, "गोदरेज प्रोफेशनल के लिए पहली ब्रांड एंबेसडर बनना सम्मान की बात है। गोदरेज 120 से अधिक वर्षों से भारतीय घरों में एक विश्वसनीय नाम रहा है और इसने देश में हेयर कलर श्रेणी में वास्तव में क्रांति ला दी है। वे अपने अभिनव और उच्च गुणवत्ता वाले हेयर कलर रेंज जैसे डाइमेंशन और कलरप्ले के लिए जाने जाते हैं। बाल हमेशा से मेरी शैली का एक परिभाषित हिस्सा रहे हैं - चाहे मैं स्क्रीन पर किसी किरदार को निभा रही हूं या रेड कार्पेट पर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हूं जब गोदरेज प्रोफेशनल का प्रतिनिधित्व करने के लिए मुझसे संपर्क किया गया, तो मैं रोमांचित हो गई क्योंकि यह मेरी व्यक्तिगत शैली से मेल खाता है।" शरवरी ने 2025 के ट्रेंडिंग हेयर कलर और स्टाइलिंग लुक को पेश करते हुए शोस्टॉपर के रूप में अपनी छाप छोड़ी। इस शानदार शोकेस को गोदरेज प्रोफेशनल की शानदार तिकड़ी ने क्यूरेट किया: यियानी त्सापेटोरी, क्रिएटिव डायरेक्टर - हेयर; शैलेश मूल्या, नेशनल टेक्निकल हेड; और नजीब-उर-रहमान, टेक्निकल एम्बेसडर। गोदरेज प्रोफेशनल ने अपने हेयर कलर की डाइमेंशन और कलरप्ले रेंज भी प्रदर्शित की।

शेखपुरा का चर्चित मूडबरिया नरसंहार में 30 वर्ष बाद आया फैसला

नई सोच एक्सप्रेस

» साक्ष्य के अभाव में 38 आरोपी को किया गया आरोप से मुक्त

शेखपुरा। शेखपुरा का चर्चित मूडबरिया नरसंहार मामला 30 साल बाद अपर न्यायालय में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंचा है। उच्च न्यायालय ने साक्ष्य के अभाव में 38 आरोपियों को बरी कर दिया और उन्हें सशर्त रिहा करने का आदेश दिया है। यह मामला 1993 का है, जब शेखपुरा जिले के कोरमा थाना क्षेत्र के मुड़वारिया गांव में चार लोगों की सामूहिक हत्या और दुष्कर्म की घटना घटी थी। इस घटनाक्रम में निचली अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी, लेकिन दोषी पक्ष ने इस फैसले को अपर न्यायालय में चुनौती दी थी।अपर न्यायालय ने साक्ष्य की कमी और अन्य कानूनी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए सभी आरोपियों को बरी करने का फैसला सुनाया है। न्यायालय ने यह निर्णय उस समय लिया जब अभियोजन पक्ष की ओर से कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया था, जिससे आरोपियों के खिलाफ आरोप सिद्ध नहीं हो सके। इस फैसले ने यह साबित कर दिया कि कानूनी प्रक्रिया में साक्ष्य की अहमियत कितनी बड़ी है, और बिना साक्ष्य के किसी व्यक्ति को दोषी ठहराना न्यायिक प्रक्रिया के खिलाफ होगा।शेखपुरा के वरिष्ठ अधिवक्ता विजय कुमार सिंह ने इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, क्योंकि साक्ष्य के अभाव में न्यायालय को दोषियों को बरी करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले ने न्यायिक प्रक्रिया के प्रति लोगों के विश्वास को एक नया दृष्टिकोण दिया है, क्योंकि अदालत ने निष्पक्ष तरीके से साक्ष्य के आधार पर अपना निर्णय लिया।इस फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया कि न्यायालय का कर्तव्य है कि वह साक्ष्य और तथ्यों के आधार पर ही किसी व्यक्ति को दोषी या बरी ठहराए। हालांकि, इस फैसले से प्रभावित परिवारों और समाज में मिश्रित प्रतिक्रियाएं हैं, क्योंकि यह मामला समाज में हिंसा और अपराध के प्रति कड़ा संदेश भी देता है। अब यह देखना होगा कि इस फैसले के बाद सरकार और संबंधित एजेंसियां इस तरह के मामलों में न्याय के प्रति अपने दृष्टिकोण में क्या बदलाव लाती हैं।

वाहन जांच के दौरान मोटरसाईकल से मिली शराब, तस्कर गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

मोतीहारी। पताही पुलिस ने वाहन जांच के दौरान एक मोटरसाईकल ग्लैम्बर गाड़ी से भारी मात्रा में शराब के साथ एक तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर सीतामढ़ी जिले के बैरगनिया थाना क्षेत्र के भटौलीया गांव के कमरे आलम पिता नूर आलम है। पताही थानाध्यक्ष कैलाश कुमार ने मंगनी चौक के पास वाहन जांच कर रहे थे कि पुलिस को गुप्त सूचना मिला पताही पुलिस ACTF टीम के सहयोग से थाना क्षेत्र मंगनी चौक पर वाहन जांच के दौरान एक मोटरसाईकल नेपाली शराब के साथ गिरफ्तार।पुलिस ने जांच के दौरान गाड़ी को रुकवाया और जांच किया तो मोटरसाईकल ग्लैम्बर गाड़ी से 87.600 ML नेपाली सोफिया शराब बरामद किया। पुलिस ने ग्लैम्बर गाड़ी और शराब को जब्त कर लिया तथा मोटरसाईकल पर सवार एक तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार एक तस्करों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम अंतर्गत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

ग्रामीणों कि तत्परता से सिसवार अस्पताल बनकर तैयार

नई सोच एक्सप्रेस

» उपकरणों का पहुंचना शुरू, खुशी में झूमे ग्रामीण

मधुबनी। "अगर हो इरादें बुलंद, तो आंधियों में भी चिराग जलते हैं।" बिहार के मधुबनी जिले के सिसवार गांव के ग्रामीण युवाओं द्वारा इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया। गांव में एक प्राथमिक उपचार केन्द्र के लिए वर्षों से चली आ रही की मांग को पहले अपनी बुलंद आवाज प्रदेश सरकार के कानों में पहुंचाई, फिर सर्वे उपरांत अनुमोदन के साथ बजट आवंटित किया गया फिर सोलह बेड वाला सिसवार अस्पताल बनकर तैयार। इसके बाद पिछले दिनों उपकरणों का पहुंचना शुरू हो गया है और इसपर ग्रामीणों कि खुशी का ठिकाना नहीं रहा। ग्रामीण व प्रवासी युवा शक्ति द्वारा सोशल मीडिया से लेकर फोन वार्तालाप कर आपस में बधाई दी। वहीं युवा शक्ति के सदस्यों ने इसके लिए सबसे पहले ग्रामीण गण्यमान लोगों को स्वस्थ्य व शान्ति पूर्ण माहौल के बीच सुचारू रूप से अभियान के लिए मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं क्षेत्रीय विधायक भरत भूषण सहित सभी मिडिया को आभार के साथ धन्यवाद दिया। राजघाट दिल्ली से समाज हित में शुरू कि गई एक अभियान अब कुछ ही दिनों में उद्घाटन समारोह में तब्दील होने वाला है और जल्द सरकारी आदेशों के बाद इसे सुचारू रूप से क्षेत्रीय लोगों के उपचार के लिए उपलब्ध होगा। इसमें कोई दोराय नहीं कि आनेवाले समय में प्रवासी व ग्रामीण युवा शक्ति के द्वारा इस उपलब्धि के लिए प्रदेश व देश के लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत होगा वहीं ग्रामीण इसकी मिसाल देंगे। जानकारी अनुसार प्रवासी व ग्रामीण युवा शक्ति सदस्यों द्वारा जल्द ही सोसायटी पंजिकरण कर गांव के अन्य समस्याओं को खत्म किया जाएगा।

दिल तो पागल है; तर्कपूर्ण सत्य या भ्रम

नई सोच एक्सप्रेस

दिल्ली। वैदिक ज्योतिषी के अनुसार काल पुरुष की कुंडली में बारह घर (भाव) पाए जाते हैं। कुंडली का चौथा भाव (घर) काल पुरुष का दिल हैं। दिल अर्थात यह भाव मनुष्य की भावनाओं और संवेदनाओं का घर हैं। इस चौथे भाव में कर्क (4 अंक) राशि का स्थान हैं। कर्क राशि का स्वामी ग्रह चंद्रमा हैं। इस दृष्टि से चंद्रमा भावनाओं और संवेदनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाला ग्रह हैं। कर्क राशि जल तत्वीय राशि हैं। जल एक ऐसा तरल हैं जिसमें बहुतायत में अन्य द्रव्य व ठोस सहजता से मिल जाते हैं। इसलिए इस राशि से प्रभावित व्यक्ति भी लघु समयावधि के लिए हर स्थान पर समंजित हो जाते हैं। यहाँ ध्यान दीजिए कि लघु समयावधि शब्द का प्रयोग इसलिए किया गया हैं क्योंकि जल अस्थिर होता हैं और सदा बहता रहता हैं। अतः इस राशि से प्रभावित व्यक्तियों में 'स्थिरता' का अभाव रहता हैं। हम सब जानते हैं कि एक व्यक्ति की भावनाएँ कभी भी स्थिर नहीं रहती। जैसे - जल में सदा लहरें उठती रहती हैं वैसे ही दिल में भी भावनाएँ हमेशा गतिमान रहती हैं। यहाँ सरलता से यह भी समझा जा सकता हैं कि इस राशि के व्यक्ति अपने जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए तर्क आधारित स्थायी और ठोस निर्णय नहीं ले पाते। वरन इनके निर्णयों में भावनात्मकता का पुट अधिक पाया जाता हैं। अति भावनात्मक और संवेदनशील होने के कारण इनके व्यक्तित्व, सोच और व्यवहार पर दूसरे व्यक्तियों की सोच और व्यवहार का अच्छा और बुरा प्रभाव बहुत सरलता से पड़ जाता हैं। इस प्रभाव को कर्क राशि के व्यक्तियों के शब्दों और आचरणों में आसानी से पहचाना जा सकता हैं। अंकशास्त्र के अनुसार अंक – 4 का स्वामी ग्रह राहू हैं। राहू व्यक्ति के जीवन में भ्रम, जुनून, उलझन की स्थितियाँ उत्पन्न करता हैं, जिसके कारण व्यक्ति घटनाओं और अनुभवों को तर्क के आधार पर न देख पाता हैं और न समझ पाता हैं। राहू के प्रभाव विशेषकर नकारात्मक प्रभाव के कारण व्यक्ति स्थितियों का सही चिंतन, मनन और विश्लेषण नहीं कर पाता। इसके परिणाम स्वरुप वह सही समय पर सही निर्णय नहीं ले पाता। प्रायः ऐसा पाया गया हैं कि राहू से प्रभावित व्यक्ति अक्सर दूसरों के बहकावे में बहुत जल्द आ जाता हैं। उसके विचारों और महत्वपूर्ण निर्णयों पर दूसरों का प्रभाव सरलता से जाना और पहचाना जा सकता हैं। दोनों स्थितियों को समन्वित रूप से देखने पर हम जान पाते हैं कि चंद्रमा और कर्क राशि का साथ अर्थात अति भावनात्मकता, व्यक्ति दिल से सोचेगा और उस पर 4 अंकीय राहू, भावनाएँ तर्क रहित, उलझन से भरी और दूसरों की सलाह के प्रभाव में रहेंगी। अतः व्यक्ति जीवन की घटनाओं और अनुभवों के प्रति हमेशा एक अस्पष्ट स्थिति में रहेगा। वो कहते हैं न कि राहू का साथ दिल की भावनाओं और व्यक्ति की संवेदनशीलता को उद्वेलित कर देता हैं। भावनाएँ भ्रम में उलझ कर बेकाबू हो जाती हैं। राहू व्यक्ति को अति ऊर्जा से भर देता हैं और इसलिए व्यक्ति में एक जूनून की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती हैं। ये जूनून व्यक्ति को प्रायः अतिवादी बना देता हैं। भावनाएँ अतिवादी हो जाए तो मेरे प्रबुद्ध पाठक समझ सकते हैं कि 'दिल तो पागल ही हैं' अंकशास्त्र और ज्योतिष अध्ययन के आधार पर मुझे यहीं तथ्य समझ आया कि 'दिल तो पागल हैं'।

पी0पी0एम0 स्कूल के बच्चों ने किया वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। पी.पी.एम स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजीव कुमार सिंह ने किया तथा अध्यक्षता डॉ०एस०के० सुनील ने किया। डॉ०एस० के० सुनील एवं डॉ० इंदु कश्यप ने राजीव कुमार सिंह अनुमंडल पुलिस अधिकारी को अंग वस्त्र व पौधा देकर सम्मानित किया। इस मौके पर बच्चों ने विज्ञान से प्रेरित कई मॉडल प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्कूल में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करने पहुंचे अधिकारी राजीव कुमार सिंह ने हौसला अफजाई करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम स्कूलों में जरूर कराया जाना चाहिए। जिस तरह से बच्चों ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष डॉ०एस०के० सुनील ने कहा कि जिस तरह बच्चों उत्कृष्टता की झलक दिखाई है, आनेवाले दिनों में ये बच्चे विज्ञान के क्षेत्र में जिला का नाम देश दुनिया में रोशन करेंगे। उन्होंने उत्कृष्टता प्रदर्शित करने वाले छात्र/छात्राओं को उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए पुरस्कृत करने की घोषणा की। इस अवसर पर स्कूल के प्रभारी प्राचार्य नंदकिशोर शर्मा शिक्षक मनोज कुमार पाठक, जयप्रकाश कुमार, मिथिलेश पाठक, रूपा कुमारी, नीतू कुमारी,प्रिया कुमारी, अमित कुमार,प्रमोद कुमार, विवेक कुमार ,खुशी कुमारी, आचार्य नारायण निराला उपस्थित थे।

सोनू सूद और हनी सिंह ने 'फतेह' के अपने गाने 'हिटमैन' पर दिल्ली को नाचने पर मजबूर कर दिया

नई सोच एक्सप्रेस

दिल्ली। सोनू सूद और हनी सिंह ने आने वाली एक्शन गाथा फतेह के अपने साल के सबसे बेहतरीन डांस नंबर 'हिटमैन' के साथ दिल्ली में धूम मचा दी। इस जोड़ी ने कल रात पीवीआर प्लाजा, कनॉट प्लेस में एक भव्य कार्यक्रम में अपने खास अंदाज और पंजाबी पावर के साथ शहर को बीट्स और बास के बवंडर में बदल दिया कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक जबरदस्त भव्य एंट्री थी जिसने प्रशंसकों को उन्माद में डाल दिया। जैसे ही स्पीकर पर 'हिटमैन' की धूम मची, सोनू और हनी पार्टी के दो राजाओं की तरह स्टाइल में पहुंचे। भीड़ उत्साह से झूम रही थी और सीपी की मशहूर सड़कों पर नया गाना बज रहा था, जिससे माहौल में असीम ऊर्जा भर गई। गीत के प्रदर्शन के बाद, सूद और सिंह ने अपनी स्पष्टवादिता, अंतर्दृष्टि और हास्य से प्रेस को मंत्रमुग्ध कर दिया। लेकिन जश्न यहीं नहीं रुका। सोनू और हनी ने सितारों के साथ मिलकर तस्वीरें खिंचवाईं और कार्यक्रम को पूरी तरह से पार्टी में बदल दिया। रिलीज़ होने के बाद से ही चार्ट में धूम मचाने वाले इस गाने को नए साल के मौसम के लिए बेहतरीन पार्टी एंथम के रूप में देखा जा रहा है। लय और रवैये का इसका मादक मिश्रण देश के हर डांस फ्लोर के लिए साउंडट्रैक बनने के लिए तैयार है। रिलीज़ होने के सिर्फ़ 6-7 घंटों के भीतर, यह गाना YouTube पर ट्रेंड करने लगा, जिससे चार्टबस्टर के रूप में इसकी स्थिति और मज़बूत हो गई। सोनू सूद ने कहा, "दो पंजाबी लड़के, एक शानदार गाना और एक ऐसा शहर जो पार्टी करना जानता है - इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। हिटमैन को दिल्ली लाना घर लाने जैसा लगा। इस शहर की ऊर्जा और संगीत के प्रति इसका प्यार बेमिसाल है। हनी और मैं दिल्लीवालों को एक ऐसा ट्रैक देना चाहते थे जिसे वे अपना सकें, और उन्हें हमारे साथ नाचते, खुश होते और जश्न मनाते देखना अविश्वसनीय था। यह तो बस शुरुआत है - पार्टी और भी बड़ी होने वाली है!"हनी सिंह कहते हैं, "मैं अपने प्रशंसकों को हिटमैन को पसंद करने और इसे तुरंत हिट बनाने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ! सोनू सर के साथ दिल्ली के लोगों के साथ इस पर थिरकना 2024 का जश्न मनाने का सबसे सही तरीका है, जो अपने अंत के करीब है। दिल्ली में तूफ़ान लाने में हमें बहुत मज़ा आया, और यहाँ हमने जो ऊर्जा महसूस की वह अविश्वसनीय थी। यह गाना उन सभी के लिए है जो डांस फ़्लोर पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं - नए साल को बस अपना आधिकारिक गान मिल गया है!" शक्ति सागर प्रोडक्शन की सोनाली सूद और ज़ी स्टूडियोज के उमेश केआर बंसल द्वारा निर्मित और अजय धामा द्वारा सह-निर्मित, फतेह, साहस, लचीलापन और साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई की एक मनोरंजक कहानी है, जो 10 जनवरी, 2025 को रिलीज़ होने वाली है। विद्युतीकरण गीत हिटमैन अब सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और ज़ी म्यूजिक कंपनी के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।

कानून के आदर की आम हालत की ही एक झलक

सात 2013 में जाकर यूपीए-2 की सरकार ने कार्यस्थलों पर यौन उत्पीडऩ रोकने का अधिनियम (संक्षेप में पॉश कानून) बनाया। लेकिन उस पर अमल का हाल क्या है, यह खुद सुप्रीम कोर्ट के ताजा दिशा-निर्देशों से जाहिर होता है। कार्य स्थलों पर यौन उत्पीडऩ रोकने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने 27 साल पहले जारी किए थे। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने ये निर्देश जारी किए, जिन्हें 'विशाखा गाइडलाइन्स' के रूप में जाना जाता है। उन दिशा-निर्देशों की भावना के मुताबिक कानून बनाने में 15 साल लग गए। इस बीच कई सरकारें आईं और गईं। 2013 में जाकर यूपीए-2 की सरकार ने यह अधिनियम (संक्षेप में पॉश कानून) बनाया, लेकिन उस पर अमल का हाल क्या है, यह खुद सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देशों से जाहिर होता है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने निर्देश दिया है कि पॉश कानून को पूरे देश में समान रूप से लागू किया जाए। अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 31 दिसंबर 2024 तक हर जिले में एक अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। यह अधिकारी 31 जनवरी 2025 तक स्थानीय शिकायत समिति का गठन करेगा और तालुका स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा। कोर्ट ने जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया है कि वे पॉश अधिनियम की धारा 26 के तहत सार्वजनिक और निजी संगठनों का सर्वेक्षण करें और मार्च 2025 तक रिपोर्ट पेश करें। जाहिर है, कानून बनने के 11 साल बाद भी ये सारे कदम नहीं उठाए गए हैं। ताजा निर्देश एक याचिका पर आया, जिसमें गुजारिश की गई है कि कोर्ट केंद्र और राज्य सरकारों से पूछे कि क्या सभी मंत्रालयों और विभागों में यौन उत्पीडऩ के आरोपों की जांच की समिति का गठन हो गया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि इस कानून का पूरे देश में लागू किया जाना है। कोर्ट तीन महीने के भीतर सर्वेक्षण करने और 31 मार्च 2025 तक रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दे रहा है। पॉश अधिनियम की धारा 26 में प्रावधान है कि कोई विभाग, मंत्रालय या निजी संगठन अपने यहां जांच समिति का गठन नहीं करता है, तो उस पर 50,000 रु. तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। मगर ऐसी समितियां आज तक बनी ही नहीं हैं। यह देश में कानून के आदर की आम हालत की ही एक झलक है।

कोलकाता से राष्ट्रीय गठबंधन का संचालन कैसे

अगर संसद के शीतकालीन सत्र में पहले तीन हफ्ते की कार्यवाही की रोशनी में विपक्षी राजनीति को देखें तो यह सवाल उठता है कि अगर राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खडग़े नेता नहीं होते हैं और ममता बनर्जी को कमान मिलती है तो विपक्षी राजनीति का स्वरूप कैसा होगा? क्या ममता बनर्जी विपक्षी गठबंधन को एक रखते हुए उसे भाजपा के खिलाफ ज्यादा प्रभावी तरीके से लडऩे के लिए तैयार कर पाएंगी? यह बड़ा सवाल है क्योंकि एक तो ममता बनर्जी ने कहा है कि वे पश्चिम बंगाल नहीं छोड़ेंगी और वहीं रह कर विपक्षी गठबंधन का संचालन करेंगी। कोलकाता से कैसे राष्ट्रीय गठबंधन का संचालन होगा, यह समझना मुश्किल है। ऐसा लग रहा है कि वे डेढ़ साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले की पोजिशनिंग कर रही हैं। वे अपने को राष्ट्रीय नेता और कोलकाता को शक्ति पीठ दिखाना चाहती हैं ताकि बांग्ला मानुष में गर्व की भावना भर सकें और अगला चुनाव जीत सकें। यही राजनीति पिछले साल तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव ने की था। उन्होंने तेलंगाना राष्ट्र समिति का नाम बदल कर भारत राष्ट्र समिति किया था और अपने को राष्ट्रीय नेता बताना शुरू किया था लेकिन वे चुनाव में पीट गए थे। अब ममता बनर्जी वही राजनीति कर रही है। उनका मकसद किसी तरह से 2026 का विधानसभा चुनाव जीतना है। उनको पता है कि अगला चुनाव बहुत मुश्किल होगा। लगातार 15 साल के राज की एंटी इन्कम्बैंसी को किसी बड़े गेमप्लान से ही काउंटर किया जा सकता है। दूसरी बात यह है कि ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस एक राज्य की पार्टी है। उन्होंने अनेक राज्यों में पैर फैलाने की कोशिश की लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसलिए बाकी प्रादेशिक पार्टियों के लिए भी उनका नेतृत्व स्वीकार करना मुश्किल होगा। कहने को सभी पार्टियां तैयार हो जाएंगी कि वे विपक्षी गठबंधन की नेता बनें लेकिन वे कोई सामूहिक फैसला सभी पार्टियों से लागू करवा पाएंगी इसमें संदेह है। तीसरी बात यह है कि ममता बनर्जी की प्रकृति अकेले चलने की है। वे हमेशा एकला चलो की राजनीति करती हैं और उनकी राजनीति बंगाल केंद्रित होती है। तभी वे चाहे जिस गठबंधन में रहें वहां उनका टकराव चलता रहता है। वे जब कांग्रेस में थीं तो कांग्रेस के सभी नेताओं से उनका झगड़ा चलता था। फिर जब अपनी पार्टी बनाई और भाजपा से तालमेल किया तो भाजपा से उनकी लड़ाई चलती रही और जब कांग्रेस के गठबंधन में आईं तो वहां भी लड़ाई चलती रहीं। उन्होंने कांग्रेस छोड़ कर अपनी पार्टी बनाई, फिर भाजपा को छोड़ कर कांग्रेस से गठबंधन किया और फिर कांग्रेस को छोड़ कर अकेले लड़ीं। अब फिर वे गठबंधन की नेता बनना चाहती हैं लेकीन उनकी एकला चलो वाली प्रकृति बाधा बनेगी। भारत के अब तक के राजनीतिक इतिहास को देखें तो किसी प्रादेशिक पार्टी के राष्ट्रीय गठबंधन का नेतृत्व करने की मिसाल नहीं मिलेगी। कांग्रेस के खिलाफ जनता पार्टी बनी तो सभी विपक्षी पार्टियों के विलय से बनी थी। हमेशा सबसे बड़ी पार्टी नेतृत्व करती रही है। एनडीए में भी भले टीडीपी या जनता दल यू के नेता संयोजक होते थे लेकिन नेतृत्व भाजपा के हाथ में ही होता था। संयोजक का पद प्रतीकात्मक होता था। फैसला अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ही करते थे। सरकारों की बात करें तो उस मामले में भी सबसे बड़ी पार्टी के हाथ में सत्ता होने से ही स्थिरता रहती है। चाहे वीपी सिंह की सरकार हो या चंद्रशेखर की या एचडी देवगौड़ा की सरकार हो या आईके गुजराल की हर बार सबसे बड़ी पार्टी के नेता के हाथ में कमान नहीं थी। वाजपेयी की 1998 की सरकार के अपवाद को छोड़ दें तो उसके बाद 1999, 2004 और 2009 में सबसे बड़ी पार्टी ने कमान संभाली और सरकारों ने कार्यकाल पूरा किया। बहरहाल, ममता बनर्जी के समर्थन में यह तर्क दिया जा रहा है कि वे भाजपा से लड़ती हैं और सीधी लड़ाई में उसको हरा देती हैं। लेकिन एक प्रदेश में सीधी लड़ाई में भाजपा को हरा देना अगर कोई पैमाना है तो कई नेता दावेदार हो जाएंगे। झारखंड में हेमंत सोरेन ने भी लगातार दो मुकाबले में भाजपा को हराया है और गठबंधन का भी नेतृत्व किया है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल भी लगातार भाजपा को हरा रहे हैं। देश ही नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर एक व्यापक आयाम वाला गठबंधन बनाने के लिए सिर्फ यह मानक नहीं तय किया जा सकता है कि जो नेता एक राज्य में भाजपा को हराए उसे राष्ट्रीय नेता बना दिया जाए।

धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिताः असमानता और अन्याय को दूर करने की औषधि

आरती कुमारी

धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता, जिसे समान नागरिक संहिता के रूप में भी जाना जाता है, सभी नागरिकों के लिए, चाहे उनकी धार्मिक सम्बद्धता कुछ भी हो, व्यक्तिगत मामलों-जैसे विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और संपत्ति के अधिकार-को नियंत्रित करने वाले कानूनों का एक ही सेट प्रस्तावित करती है। भारत वर्तमान में हिंदू कानून, मुस्लिम कानून (शरिया) और ईसाई कानून सहित धर्म पर आधारित कई व्यक्तिगत कानूनों के तहत काम करता है। धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता का उद्देश्य इन विविध कानूनी प्रणालियों को एक समान संहिता से बदलना है जो सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू हो। इसका लक्ष्य विभिन्न समुदायों में और उनके भीतर कानूनी एकरूपता प्राप्त करना है, जिससे पुरुषों और महिलाओं के लिए समान अधिकार और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में उल्लिखित राज्य नीतियों के निर्देशक सिद्धांत में यह प्रावधान है कि "राज्य पूरे भारत में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा।" हालाँकि, एक निर्देशक सिद्धांत होने के कारण, यह न्यायोचित नहीं है। समान नागरिक संहिता उदार विचारधारा से जुड़ी है और उदार-बौद्धिक सिद्धांतों के अंतर्गत आती है। अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता), 15 (भेदभाव का निषेध) और 21 (व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता के अंतर्निहित सिद्धांतों का समर्थन करते हैं। भारत में वर्तमान में पूरे देश में धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता लागू नहीं है। इसके बजाय, अलग-अलग समुदायों के लिए विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मुद्दों को नियंत्रित करने वाले व्यक्तिगत कानून धर्म के अनुसार अलग-अलग होते हैं। प्रधानमंत्री ने एक धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की वकालत की है, जो डॉ. अंबेडकर के एकीकृत कानूनी ढांचे के दृष्टिकोण को प्रतिध्वनित करती है। इस आह्वान का उद्देश्य मौजूदा कानूनों के कथित सांप्रदायिक और भेदभावपूर्ण पहलुओं को सम्बोधित करना और कानूनी प्रणाली को एकीकृत करना है। सुप्रीम कोर्ट ने देश को धार्मिक आधार पर विभाजित करने वाले कानूनों को ख़त्म करने के लिए एक धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की आवश्यकता पर ज़ोर दिया है। हिंदू कोड बिल सिखों, जैनियों और बौद्धों सहित हिंदुओं के लिए व्यक्तिगत कानूनों को संहिताबद्ध और एकीकृत करने के लिए पेश किया गया। गोवा में गोवा सिविल कोड (पुर्तगाली सिविल कोड 1867) के तहत एक समान नागरिक संहिता है, जो धर्म या जातीयता की परवाह किए बिना सभी गोवावासियों पर समान रूप से लागू होती है। उत्तराखंड ने हाल ही में उत्तराखंड समान नागरिक संहिता विधेयक 2024 पारित किया है, जो अनुसूचित जनजातियों को छोड़कर सभी निवासियों पर लागू विवाह, तलाक और विरासत जैसे मामलों के लिए एक समान नागरिक संहिता लागू करता है। समान नागरिक संहिता असमानता को बनाए रखने वाले पुराने व्यक्तिगत कानूनों को हटाकर धर्मनिरपेक्षता को बनाए रखेगी। यह सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी उपचार सुनिश्चित करता है, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, एक एकीकृत कानूनी ढांचे को बढ़ावा देता है जो राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देता है। समान नागरिक संहिता व्यक्तिगत कानूनों में निहित भेदभावपूर्ण प्रथाओं को समाप्त करेगी, विशेष रूप से महिलाओं को प्रभावित करने वाली प्रथाओं को। नागरिक कानूनों को मानकीकृत करके, यह सभी के लिए समान अधिकारों और सुरक्षा की गारंटी देगा, सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाएगा। यहाँ तक कि एक धर्म के भीतर भी, इसके सभी सदस्यों को नियंत्रित करने वाला एक भी सामान्य व्यक्तिगत कानून नहीं है। उदाहरण के लिए, मुसलमानों के बीच विवाह के पंजीकरण के लिए, कानून जगह-जगह अलग-अलग होते हैं। समान नागरिक संहिता विवाह, तलाक और उत्तराधिकार जैसे नागरिक मामलों पर केंद्रित है, जिसमें धार्मिक प्रथाओं को अछूता रखा गया है। यह दृष्टिकोण अन्य लोकतंत्रों में प्रथाओं के साथ संरेखित है जहाँ धार्मिक स्वतंत्रता के साथ एक समान कानूनी ढांचा मौजूद है। समान नागरिक संहिता भारत के कानूनी ढांचे को सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाएगी, जटिल और असंगत व्यक्तिगत कानूनों को सरलीकृत प्रणाली से बदल देगी। इससे कानूनी अनिश्चितता कम होगी और कानूनी खामियों का फायदा उठाने से रोका जा सकेगा। उदाहरण के लिए, सरला मुद्गल बनाम भारत संघ के मामले ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे व्यक्ति कानूनी प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए व्यक्तिगत कानूनों में अंतर का फायदा उठा सकते हैं। समान नागरिक संहिता को लागू करने से कई व्यक्तिगत कानून विवादों को कुशलतापूर्वक हल करके न्यायपालिका पर बोझ काफ़ी कम हो जाएगा। इससे अन्य महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों को सम्बोधित करने के लिए संसाधन मुक्त होंगे, जिससे समग्र न्यायिक प्रभावशीलता में सुधार होगा। मार्च 2022 तक भारत की अदालतों में लगभग 4.70 करोड़ मामले लंबित हैं, न्यायपालिका लंबित मामलों को निपटाने के लिए संघर्ष कर रही है। वैश्विक धारणाः समान नागरिक संहिता को अपनाने से समानता, धर्मनिरपेक्षता और मानवाधिकारों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करके वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ावा मिल सकता है। संवैधानिक कर्तव्य की पूर्तिः भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में कहा गया है कि राज्य सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। समान नागरिक संहिता धर्म को सामाजिक सम्बंधों और व्यक्तिगत कानूनों से अलग करेगी, समानता सुनिश्चित करेगी और इस प्रकार सद्भाव और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देगी। भारतीय कानून पहले से ही कई सिविल मामलों में एक समान संहिता बनाए रखते हैं, जैसे कि भारतीय अनुबंध अधिनियम और सिविल प्रक्रिया संहिता। हालाँकि, राज्यों ने कई संशोधन किए हैं, जिससे धर्मनिरपेक्ष नागरिक कानूनों के भीतर भी विविधता आई है। संविधान के अनुच्छेद 371 (ए) से (आई) और छठी अनुसूची कुछ राज्यों को विशेष सुरक्षा प्रदान करती है, जो पारिवारिक कानूनों में क्षेत्रीय विविधता की मान्यता को दर्शाती है। समवर्ती सूची में व्यक्तिगत कानूनों को शामिल करना इस विविधता की सुरक्षा का समर्थन करता है, जो अनुच्छेद 44 के तहत एकरूपता के लिए दबाव के साथ विरोधाभास को उजागर करता है। समान नागरिक संहिता भारत के बहुलवादी समाज के लिए ख़तरा हो सकती है, जहाँ लोगों की अपने धार्मिक सिद्धांतों में गहरी आस्था है। भारत के 2018 के विधि आयोग ने कहा कि इस स्तर पर समान नागरिक संहिता "न तो आवश्यक है और न ही वांछनीय", इस बात पर ज़ोर देते हुए कि धर्मनिरपेक्षता को सांस्कृतिक मतभेदों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को सुनिश्चित करना चाहिए, न कि उन्हें कमज़ोर करना चाहिए। टी.एम.ए. पाई फाउंडेशन बनाम कर्नाटक राज्य में सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय धर्मनिरपेक्षता एक संयुक्त राष्ट्र के भीतर विविध पहचानों को पहचानने और संरक्षित करने के बारे में है। समान नागरिक संहिता राष्ट्रीय पहचान के तहत कई व्यक्तिगत पहचानों के सह-अस्तित्व को संभावित रूप से नष्ट करके इस सिद्धांत के साथ संघर्ष कर सकती है। समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश या दृष्टिकोण की अनुपस्थिति एक महत्त्वपूर्ण बाधा है। सभी व्यक्तिगत कानूनों को मिलाने या संवैधानिक जनादेश का पालन करने वाले नए कानून बनाने की जटिलता आम सहमति बनाने को जटिल बनाती है। अल्पसंख्यक अक्सर समान नागरिक संहिता को बहुसंख्यक दृष्टिकोण के थोपे जाने के रूप में देखते हैं, जिससे अनुच्छेद 25 और 26 के तहत उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। समान नागरिक संहिता संभावित रूप से एक ऐसी संहिता लागू कर सकती है जो सभी समुदायों में हिंदू प्रथाओं से प्रभावित हो। आदिवासी समुदायों और अन्य अल्पसंख्यक समूहों में अलग-अलग विवाह और मृत्यु संस्कार होते हैं जो हिंदू रीति-रिवाजों से काफ़ी भिन्न होते हैं। चिंता है कि समान नागरिक संहिता समान प्रथाओं को लागू कर सकती है, जिससे इन अनूठी प्रथाओं पर प्रतिबंध लग सकता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में समान नागरिक संहिता को लागू करना, जहाँ धार्मिक समुदाय अपने स्वयं के व्यक्तिगत कानूनों का पालन करते हैं, महत्त्वपूर्ण चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है। भारत के विधि आयोग ने सुझाव दिया कि एक समान नागरिक संहिता लागू करने के बजाय, मौजूदा व्यक्तिगत कानूनों के भीतर भेदभावपूर्ण प्रथाओं का अध्ययन और संशोधन करना अधिक विवेकपूर्ण है। समान नागरिक संहिता को भारत की बहुसंस्कृतिवाद को मान्यता देनी चाहिए और इस बात पर बल देना चाहिए कि एकता एकरूपता से अधिक महत्त्वपूर्ण है, जैसा कि भारतीय संविधान द्वारा समर्थित है। समान नागरिक संहिता को निष्पक्ष और वैध बनाने के लिए धार्मिक नेताओं, कानूनी विशेषज्ञों और समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक परामर्श आवश्यक है। सांसदों को समानता और लैंगिक न्याय के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए असंवैधानिक प्रथाओं को हटाने और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करने के बीच संतुलन बनाना चाहिए। संविधान सांस्कृतिक स्वायत्तता का समर्थन करता है, जिसमें अनुच्छेद 29 (1) विविध संस्कृतियों की सुरक्षा करता है। समुदायों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रथाओं को मूल्यों के साथ जोड़ना चाहिए। समान नागरिक संहिता के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए समझ और स्वीकृति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक आउटरीच प्रयासों के माध्यम से नागरिकों को शिक्षित करने की आवश्यकता है। पुराने और विभाजनकारी व्यक्तिगत कानूनों से आगे बढ़ना एक ऐसे भारत के संवैधानिक दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है जहाँ सभी नागरिकों के साथ कानून के तहत समान व्यवहार किया जाता है। जैसा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा था, "कानून और व्यवस्था राजनीतिक शरीर की दवा है और जब राजनीतिक शरीर बीमार हो जाता है, तो दवा दी जानी चाहिए।" धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता वह दवा है जिसकी भारत को उस असमानता और अन्याय को दूर करने और ठीक करने की आवश्यकता है जिसने हमारे समाज को लंबे समय से ग्रसित किया है।

अमित शाह द्वारा कांग्रेस को दिखाएं आईने को तोड़ मरोड़ कर पेश करने का झूठ पकड़ा गया !

अशोक भाटिया, मुंबई

कांग्रेस पार्टी और उसके कुछ नेताओं को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुछ वीडियो क्लिप साझा करने पर बुधवार को X से नोटिस मिला। विपक्षी सूत्रों ने कहा कि X (पहले Twitter) की चिट्ठी में गृह मंत्रालय (MHA) के साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर से मिले नोटिस का हवाला दिया गया है। इसमें उनके द्वारा शेयर की गई सामग्री को भारत के कानून का कथित तौर पर उल्लंघन करने वाला करार देते हुए हटाने को कहा गया है। एक्स ने नोटिस जारी तब किया, जब भाजपा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस राज्यसभा में बीआर आंबेडकर के बारे में अमित शाह के भाषण के संपादित वीडियो शेयर कर रही है। सूत्रों ने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुरोध पर कांग्रेस के हैंडल को नोटिस जारी किया गया था। कांग्रेस द्वारा अमित शाह के भाषण की एक क्लिप साझा करने के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था, जिसमें उन पर भारतीय संविधान के निर्माता बीआर अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया गया था। भाजपा ने जवाबी हमला किया, यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आरोपों का जवाब देने के लिए कदम उठाया उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा संविधान को बदलने का इरादा रखती है, उन्होंने अमित शाह से माफी की मांग की थी। मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी अमित शाह से माफी की मांग की थी। भाजपा और अमित शाह ने कांग्रेस के आरोपों का कड़ा विरोध किया, जिसमें वीडियो क्लिप में हेराफेरी का आरोप लगाया गया। गृह मंत्री अमित शाह का कहना है कि भाजपा सभी कानूनी विकल्पों की जांच करेगी। संसद के अंदर और बाहर जो भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है, सभी संभावनाओं पर विचार किया जाएगा।कांग्रेस ने अपनी पुरानी चालें चलीं और गलत तथ्य पेश करके समाज को गुमराह करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि वह ऐसी पार्टी से आते हैं जो कभी आंबेडकर का अपमान नहीं करेगी। गौरतलब है कि राज्यसभा में एक दिन पहले मंगलवार (17 दिसंबर) को संविधान पर चर्चा करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने भीम राव अंबेडकर को लेकर बयान दिया था, जिसे लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा मचा रखा है। बुधवार को संसद के अंदर से लेकर बाहर तक विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान संविधान निर्माता बाबा साहेब का अपमान किया है।वहीं अब अमित शाह की अंबेडकर संबंधी टिप्पणी पर विवाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री मोदी एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस को जमकर घेरा। साथ ही कहा कि अमित शाह ने राज्यसभा में अंबेडकर का अपमान करने के कांग्रेस पार्टी के काले इतिहास को उजागर किया है। अंबेडकर को लेकर कांग्रेस के हंगामे पर प्रधानमंत्री मोदी का कहना है कि अगर कांग्रेस और उसका सड़ा हुआ इकोसिस्टम यह सोचता है कि उनके दुर्भावनापूर्ण झूठ उनके कई वर्षों के कुकर्मों, खासकर डॉ। अंबेडकर के प्रति उनके अपमान को छिपा सकते हैं, तो वे बहुत बड़ी गलतफहमी में हैं! भारत के लोगों ने बार-बार देखा है कि कैसे एक वंश के नेतृत्व वाली एक पार्टी ने डॉ। अंबेडकर की विरासत को मिटाने और एससी/एसटी समुदायों को अपमानित करने के लिए हर संभव गंदी चाल चली है।भारत के लोगों ने बार-बार देखा है कि कैसे एक वंश के नेतृत्व वाली एक पार्टी ने डॉ अंबेडकर की विरासत को मिटाने और एससी/एसटी समुदायों को अपमानित करने के लिए हर संभव गंदी चाल चली है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर अंबेडकर को भारत रत्न देने से इनकार करने और संसद के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र को जगह न देने का आरोप लगाया। अमित शाह ने कांग्रेस के बारे में बोलते हुए कहा था कि वह बार बार संविधान का हवाला देती है पहले वह खुद्कों आईने में देखे। कांग्रेस ने संविधान में बोलने की आजादी कम करने का संशोधन किया, मौलिक अधिकारों में कटौती का संशोधन किया, चुनाव हारने की आशंका के कारण विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाने का संशोधन किया, अपनी कुर्सी बचाने के लिए प्रधानमंत्री के कामों की न्यायिक जांच पर रोक लगाने का संशोधन किया, जबकि नरेन्द्र मोदी की सरकार ने "एक देश एक टैक्स" के लिए संविधान में संशोधन किया, पिछड़ा आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया, महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए संशोधन किया, गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए संशोधन किया। अमित शाह ने कहा कि ये सारे उदाहरण देखने के बाद कोई भी समझ सकता है कि संविधान को लेकर कांग्रेस की मंशा और नरेन्द्र मोदी की नीयत में क्या फर्क है। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस अपनी पुरानी मानसिकता से उबर नहीं पाई है, आज भी वो सामान नागरिक संहिता का विरोध कर रही है लेकिन भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से कॉमन सिविल कोड सभी राज्यों में लाएगी। ये अमित शाह का कांग्रेस पर अब तक का सबसे करारा हमला था क्योंकि भाजपा इन्हीं तीन बातों के आधार पर अपने आप को कांग्रेस से अलग बताती है। अमित शाह ने दूसरा काम ये किया कि उदाहरण देकर, तुलना करके ये बताया कि कांग्रेस ने जब जब संविधान में संशोधन किए तो उसका उद्देश्य कुर्सी बचाना था और जब जब मोदी सरकार ने संशोधन किए तो मकसद गरीबों और पिछड़ों को ज्यादा अधिकार देने का था। अमित शाह ने जो उदाहरण दिए, उन्हें समझने की जरूरत है। अमित शाह ने गिनाया कि कांग्रेस ने संविधान में जो संशोधन किए, वो अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी लगाने के लिए थे, आम नागरिकों के मौलिक अधिकार छीनने के लिए थे। अमित शाह की ये बात सही है और इमरजेंसी के काले दिन इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। संविधान को लेकर भाजपा पर तीन तरह के आरोप लगाए जाते हैं। अमित शाह ने इन तीनों का जवाब दिया। एक तो राहुल गांधी बार बार संविधान की कॉपी लहराकर कहते हैं कि भाजपा संविधान को बदलना चाहती है, आरक्षण को खत्म करना चाहती है। अमित शाह ने एक के बाद एक कई उदाहरण गिनाए, बताया कि मोदी सरकार ने पिछड़ों और गरीबों को अधिकार देने के लिए संविधान में कैसे बदलाव किया। दूसरा आरोप ये लगता है कि भाजपा वोट बैंक की राजनीति करती है, मुसलमानों को परेशान करती है। इसके जवाब में अमित शाह ने शाह बानो केस और तीन तलाक कानून का उदाहरण दिया। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस ने मुस्लिम महिलाओं का हक़ छीना और भाजपा ने मुस्लिम महिलाओं को उनका हक़ दिलाया, तीन तलाक से मुक्ति दिलाई। तीसरा आरोप भाजपा पर ये लगाया जाता है कि वो EVM में गड़बड़ी करके चुनाव जीतती है। इसका भी अमित शाह ने स्पष्ट जवाब दिया। अमित शाह ने उदाहरण देकर पूछा, एक ही दिन में दो राज्यों के चुनाव के नतीजे आए, महाराष्ट्र में EVM खराब और झारखंड में EVM अच्छी कैसे हो सकती है? हालांकि अमित शाह के जवाब के बाद भी विपक्ष के नेता ये मुद्दा छोड़ेगें नहीं क्योंकि मंगलवार को ही उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र में देवेन्द्र फडणवीस की सरकार को EVM की सरकार कह दिया।इन सब आरोप प्रत्यारोप के बाद कांग्रेस को पहले अपना चेहरा आईने में देखना चाहिए।

शब्द सामर्थ्य -271

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अवसर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे
1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

1		■	2	3	■	4	5	6
	■	7			■	■	8	
9			■	10		11	■	
■	■	12			■	13	14	
15	16		■	■	■	17		■
18			19	20				21
	22	23						
					24		25	
26				27				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 270 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

मेष राशि-आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज व्यवसायिक कार्य योजना में बदलाव करेंगे, जिसका अच्छा परिणाम मिलेगा। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन आपकी ग्रोथ के लिए मददगार रहेगा, फिलहाल आपकी इनकम पहले जैसी ही रहेगी। नौकरी कर रहे लोगों को जल्दी ही स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

वृष राशि-आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है।आज ऑफिस में अत्यधिक कार्यभार बना रहेगा। आज अति आत्मविश्वास के वजाय सोच समझ कर कार्यों को शुरू करें।आज आपके पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे, परिवार के सभी सदस्य मिल-जुल कर गेम्स खेलेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी, साथ ही खर्चा भी कम रहेगा।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज पारिवारिक संपत्ति सम्बन्धी समस्या सुलझ सकता है, जिसमें वरिष्ठ सदस्यों की अहम भूमिका रहेगी। आज स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। आज खर्चों की अधिकता की वजह से कुछ उलझन में रहेंगे। परंतु जल्दी ही परिस्थितियां आपके अनुकूल हो जाएंगी, इसलिए धैर्य बनाकर रखें।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है।आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर आज आप ध्यान देगे। अगर बिजनेस बढ़ाने के लिए योजनाएं बना रहे हैं तो उन पर काम करने के लिए अनुकूल समय है। किसी प्रभावशाली इंसान की सलाह और मदद से आपको नई उपलब्धि मिल सकती है। आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों के पास काम ज्यादा रहेगा।

सिंह राशि-आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है।परिवार में अपना उचित समय देना वातावरण को मधुर बनाकर रखेगा। आज दिन भर दौड़-धूप तथा मेहनत की अधिकता रहेगी, परंतु कार्य की सफलता आपकी थकान को दूर भी कर देगी। किसी जरूरतमंद मित्र की मदद करने से आपको अच्छा फील होगा। इस राशि के युवाओं को अपने करियर संबंधी प्रयासों में मन मुताबिक परिणाम मिलेंगे।

कन्या राशि-आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है।आज इस बात का भी ध्यान रखें, कि भावनाओं में आकर किसी प्रकार का महत्वपूर्ण निर्णय न ले। माता-पिता बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाकर रखें, क्योंकि ज्यादा अंकुश लगाना उनके आत्मबल में कमी कर सकता है। आज किसी भी तरह की यात्रा करते समय सावधानी बरते।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। आज आलस या दूसरों की वजह से अपने महत्वपूर्ण काम को नजरअंदाज ना करें। आर्थिक मामलों में बजट आदि का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज समझदारी और सावधानी से काम लेने का समय है।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में रहेगा।आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगें और बात भी मानेंगे। आज का दिन बहुत ही सुकून भरा रहेगा। परिवार के लिए ऑनलाइन शॉपिंग करेंगे। आपका कुशलता व्यवहार आपको व्यावसाय में सफलता प्रदान करने में मदद करेगा।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आपके लिए दिन भर भाग-दौड़ की स्थिति बनी रहेगी। कुछ समय आध्यात्मिक गतिविधियों में व्यतीत करने से मानसिक सुकून मिलेगा। अगर कोर्ट में प्रॉपर्टी संबंधित मुकदमा चल रहा है तो आज उसका फैसला आपके पक्ष में आएगा।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे।आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज पारिवारिक अथवा व्यक्तिगत कारणों की वजह से व्यवसाय के स्थान पर अधिक समय नहीं दे पाएंगे। परंतु फिर भी फोन द्वारा अधिकतर काम सुचारू रूप से संपन्न हो जाएंगे।

कुंभ राशि-आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। रोजमर्रा की दिनचर्या से सुकून पाने के लिए आज किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनेगा। नए कार्य की शुरुआत करने में किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। आज आपका सपना भी साकार होगा यानि मनचाही इच्छा पूरी होने के योग बने हुए है। आज आपकी माता जी आपसे कुछ फरमाईस कर सकती है, जिसको पूरा करने पर वह खुश होंगी।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बड़ो का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों का समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आज व्यापार में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे। किसी विपरीत परिस्थिति में घबराने के वजय उसका समाधान ढूंढने का प्रयास करेगे तो सब ठीक हो जायेगा। साथ ही वाणी व गुस्से पर नियंत्रण रखें। इससे मित्र तथा पड़ोसियों के साथ रिश्ते बेहतर बने रहेंगे।

अचानक अश्विन ने क्यों लिया संन्यास,क्या रोहित शर्मा इसके पीछे की असल वजह

ब्रिसबेन। स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने गाबा टेस्ट के बाद अचानक संन्यास का ऐलान किया, तब हर कोई हैरान रह गया। आमतौर पर परंपरा है कि कोई खिलाड़ी मैच का हिस्सा बनने के बाद उसके समापन पर संन्यास की घोषणा करता है या फिर सीरीज के अंत में ऐलान करता है। अश्विन गाबा टेस्ट का हिस्सा भी नहीं थे। फिर उन्होंने संन्यास का ऐलान क्यों किया। खैर इसका जवाब खुद अश्विन या फिर कप्तान रोहित शर्मा व कोच गौतम गंभीर ही दे सकते हैं। बीते 15 दिनों में जो कुछ घटनाक्रम हुए हैं, वे इस आरे इशारा कर रहे हैं कि टीम इंडिया में सबकुछ ठीक ठाक नहीं चल रहा है। गाबा टेस्ट मैच खत्म होने के बाद रोहित शर्मा जब प्रेसवार्ता के लिए आए, तब रविचंद्रन अश्विन को लेकर भी सवाल पूछे गए। इसपर रोहित ने कहा कि अश्विन एडिलेड में खेले गए पिंक बॉल टेस्ट से पहले ही संन्यास लेना चाहते थे। पर्थ मुकाबले के दौरान उन्होंने संन्यास की इच्छा जाहिर की। मैंने अश्विन से कहा था कि ये मैच खेल लो। इसके बाद अश्विन भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में खेलते हुए दिखाई दिए। हालांकि तीसरे मैच में अश्विन को फिर ड्रॉप कर दिया गया। अश्विन इस

टूर पर अबतक खेले गए तीन मैचों में से केवल दूसरे मुकाबले में मैदान में उतर सके। अब सवाल यह है कि क्या अश्विन यह उम्मीद कर रहे थे कि उन्हें आगे भी टूर्नामेंट में मौका दिया जाएगा, जिसके कारण उन्होंने पिंक बॉल टेस्ट के बाद भी संन्यास नहीं लिया। जब गाबा में उन्हें मौका नहीं दिया गया तब उन्होंने संन्यास का ऐलान कर दिया। रोहित की बात से यह समझ में आता है कि पर्थ टेस्ट में ना चुने जाने उनके स्थान में महज 7 टेस्ट मैचों के करियर वाले वाशिंगटन सुंदर को तरजीह देने से वे नाराज थे। इसकारण वे पहले ही संन्यास लेना चाहते थे। अश्विन द्वारा पर्थ टेस्ट से पहले ही रोहित को संन्यास की बात कहने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि अगर ऐसा होता तब फिर वे ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज खेलने आते ही क्यों। इसके बाद यह भी सवाल उठता है कि क्या एक ही ड्रेसिंग रूम शेयर करने के बावजूद अश्विन और रोहित की आपस में बातचीत नहीं होती। मतलब साफ है कि कप्तान और रविचंद्र अश्विन के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

संजू सैमसन और मनीष पांडे को नहीं मिली विजय हजारे ट्रॉफी में जगह

नई दिल्ली। 21 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी को लेकर दो चौकाने वाली बात सामने आई है। एक और केरल ने संजू सैमसन को टीम से बाहर रखा है। वहीं कर्नाटक ने सीधे तौर पर मनीष पांडे से किनारा कर लिया है। संजू सैमसन को केरल की टीम से बाहर रखने के पीछे केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने कैंप में शामिल खिलाड़ियों में से ही टीम चुनने को वजह बताया है। जिसके बाद सैमसन ने अपना नाम वापस ले लिया। सैमसन ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी (SMAT) 2024-25 में केरल का नेतृत्व किया था, जहां वह अपने छह मैचों में से चार जीतकर नॉकआउट के लिए क्वालिफ़ाई करने से चूक गए थे। इस दौरान सैमसन ने पांच मैच में 135 रन बनाए थे। हालांकि सैमसन का नाम 30 सदस्यीय संभावित सूची में था, लेकिन उनको अब 19 सदस्यीय टीम में नहीं चुना गया। दूसरी ओर, कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएसएसीए) ने साफ तौर पर कहा है कि मनीष पांडे का

टीम से बाहर होना उनके प्रदर्शन के आधार पर लिया गया फैसला है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मनीष पांडे ने पांच पारियों में सिर्फ 117 रन बनाए थे। एसोसिएशन ने यहां तक कहा है कि अब भविष्य में भी टीम में चयन के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। इस तरह मनीष पांडे के लिए रणजी क्रिकेट में यह उनके शानदार करियर के अंत का प्रतीक है, जिसमें वह कई सफेद गेंद चैंपियनशिप जीतने के अलावा, दो रणजी ट्रॉफ़ी विजेता टीमों (2013-14 और 2014-15) का हिस्सा थे। दिलचस्प बात यह है कि कर्नाटक ने उनके नेतृत्व में 2018-19 और 2019-20 में लगातार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया था। मनीष पांडे के नाम 118 प्रथम श्रेणी मैचों में 50.78 की औसत से 25 शतकों के साथ 7973 रन हैं। कुल मिलाकर, सफेद गेंद के प्रारूपों में उनके नाम कुल 13,000 से अधिक रन हैं। केरल टीमः सलमान निज़ार (capt), रोहन कुन्नुमल, शॉन रॉजर, मोहम्मद अज़हरुद्दीन (विकेटकीपर), आनंद कृष्णन, कृष्णा प्रसाद, जलज सक्सेना, आदित्य सरवटे, सिजोमॉन जोसेफ़, बासिल थंपी, बासिल एनपी, निधीश एमडी, ईडन एप्पल टॉम, शरफ़ुद्दीन, अखिल सकारिया, विश्वेश्वर सुरेश, वैशाक चंद्रन, अजनस एम (विकेटकीपर)। कर्नाटक टीमः मयंक अग्रवाल (कप्तान), श्रेयस गोपाल (उप-कप्तान), एस निकिन जोस, केवी अनीश, आर स्मरण, केएल श्रीजीत, अभिनव मनोहर, हार्दिक राज, विशाक विजयकुमार, वासुकी कौशिक, विद्याधर पाटिल, किशन बेदारे, अभिलाष शेट्टी, मनोज भंडागे, प्रवीण दुबे, लवनित सिसौदिया।

मेरे उतार-चढ़ाव में हमेशा साथ दिया, उसके लिए धन्यवादः टिम साउथी

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउथी ने अपने विदाई टेस्ट मैच के बाद कहा कि मैंने वर्षों से खेलने का आनंद लिया है। इस अवसर पर मैं कुछ लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। पिछले 17 वर्षों में उतार-चढ़ाव के दौर में न्यूजीलैंड क्रिकेट ने हमेशा साथ दिया। साथ ही सहयोगी स्टाफ को भी धन्यवाद देना चाहूंगा।<प्रशंसकों को भी। प्रशंसकों के सामने आना हमेशा अच्छा होता है, और इस सप्ताह सेडॉन पार्क में भारी भीड़ के सामने खेलना बहुत खास रहा। अब मैं एक प्रशंसक के रूप में मैच देखने के लिए उत्सुक रहूंगा। साउदी ने 776 अंतर्राष्ट्रीय विकेटों के साथ खेल से संन्यास लिया है। वह सभी प्रारूपों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले कीवी गेंदबाज हैं। साउथी ने 391 टेस्ट विकेट हासिल किए, जो रिचर्ड हैडली (431 विकेट) के

बाद किसी भी न्यूजीलैंड गेंदबाज द्वारा दूसरा सबसे अधिक विकेट है। टी20 इंटरनेशनल में वह 164 विकेट के साथ अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 221 एकदिवसीय विकेटों के साथ, वह काइल मिल्स (240 विकेट) और डैनियल विटोरी (297 विकेट) के बाद, कीवीज के लिए एकदिवसीय मैचों में तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह निचले क्रम के एक सक्षम बल्लेबाज भी थे, जिन्होंने 394 मैचों में 14.11 की औसत और 8 अर्द्धशतकों के साथ 3,288 रन बनाए। इनमें से अधिकांश रन टेस्ट में आए, जिसमें 15.48 की औसत से 2,245 रन बने, जिसमें 7 अर्द्धशतक शामिल थे। टेस्ट में उन्होंने 98 छक्के लगाए हैं। ऐसा कर वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले प्लेयरों की सूची में चौथे स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने क्रिस गेल की बराबरी की है। बता दें कि अपने विदाई टेस्ट में 423 रनों से जीत के बाद टिम साउथी ने अपने दोस्तों, परिवार और टीम के सभी साथियों को धन्यवाद दिया, जो 17 साल से अधिक समय से उनकी यात्रा का हिस्सा थे। साउथी अब एक प्रशंसक के रूप में खेल देखने के लिए उत्सुक हैं। साउथी के लिए विदाई टेस्ट यादगार रहा। साउदी ने पहली पारी में 23 रनों की पारी खेलते हुए तीन तीन छक्के लगाए थे। लेकिन वह 100 टेस्ट छक्कों के आंकड़े तक पहुंचने से सिर्फ दो कदम पीछे रह गए। अंतिम पारी में उन्हें बेन डकेट और जैकब बेथेल के विकेट मिले।

मिचेल सेंटनेर बने न्यूजीलैंड के सफेद गेंद प्रारुप के कप्तान

आकलैंड। बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनेर को केन विलियमसन की जगह न्यूजीलैंड का सफेद गेंद के प्रारूप का कप्तान बनाया गया। विलियमसन ने जून में टी20 विश्व कप के बाद पद छोड़ दिया था। न्यूजीलैंड के लिए 243 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके सेंटनेर वनडे और टी20 में टीम की कमान संभालने वाले है। वे 24 टी20 और चार वनडे में टीम की

कप्तानी कर चुके हैं। वह श्रीलंका के खिलाफ दिसंबर के आखिर में शुरू हो रही टी20 और वनडे श्रृंखला से कमान संभालने वाले है। सेंटनेर ने न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी बयान में कहा, 'यह बड़े सम्मान की बात है। बचपन से न्यूजीलैंड के लिए खेलने का सपना देखा था और दो प्रारूप में टीम की कप्तानी करना खास है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, 'मिचेल टीम मैन है और खेल के हर पहलू में मोर्चे से अगुवाई करता है। वह काफी शांत रहता है और ड्रेसिंग रूम में उसका काफी सम्मान है।

सूरमा हॉकी क्लब ने प्रशिक्षण शिविर के साथ शुरु की एचआईएल 2024 की तैयारी

चंडीगढ़। सूरमा हॉकी क्लब ने हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए चंडीगढ़ के सेक्टर 42 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपना प्री-सीजन ट्रेनिंग कैंप शुरू कर दिया है। 28 दिसंबर से 1 फरवरी तक चलने वाली लीग के साथ, यह कैंप रणनीति बनाने, टीम के सामंजस्य और खेल शैलियों को समन्वित करने के लिए एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में कार्य करता है। प्री-सीजन कैंप में अब भारतीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों खिलाड़ी शामिल हैं। 14 दिसंबर को शामिल हुए भारतीय दल में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद, गुरजंत सिंह, मनिंदर सिंह, सुनीत लाकड़ा और मोहित एचएस जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। बुधवार को शिविर में शामिल होने वाले अंतरराष्ट्रीय सितारे अपने साथ ढेर सारा अनुभव और विविध खेल शैली लेकर आए हैं। इनमें ऑस्ट्रेलियाई ड्रैग-फ्लिकर जेरेमी हेवर्ड, बेल्जियम के निकोलस पोंसलेट और विक्टर वेगनेज़ शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीकी स्टार दयान कैसिएम, बेल्जियम के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गोलकीपर विन्सेंट वानाश, डच स्ट्राइकर बोरिस बर्कहार्ट और अर्जेंटीना के मिडफील्डर निकोलस डेला टोरे सहित बाकी

अंतरराष्ट्रीय दल आने वाले दिनों में शिविर में शामिल होंगे। शिविर की प्रगति को लेकर टीम के कोच और मेंटर सरदार सिंह ने खिलाड़ियों के बीच सौहार्द और समझ बनाने में इसके महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "खिलाड़ियों को एक-दूसरे से परिचित कराने के लिए यह शिविर महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि कुछ ने पहले कभी एक साथ नहीं खेला है। हमारा लक्ष्य मैदान पर समन्वय सुनिश्चित करना और एक मजबूत, एकजुट टीम बनाना है।" हरमनप्रीत सिंह ने आगामी लीग और टीम की बेहतर तैयारियों के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त की। विदेशी खिलाड़ियों के हमारे साथ जुड़ने से ऊर्जा और भी बेहतर हो गई है, और हमें उम्मीद है कि हम इसे अपने प्रदर्शन में शामिल करेंगे।" सूरमा हॉकी क्लब अपने पहले अभियान की शुरुआत रविवार, 29 दिसंबर 2024 को राउरकेला में तमिलनाडु ड्रैगन्स के खिलाफ करेगा।

व्यापार

शेयर बाजार में हाहाकार , सेंसेक्स 1,000 अंक गिरा

• निफ्टी 282 अंक फिसला

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट रही। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व में अगले साल ब्याज दरों में कटौती की रफ्तार धीमी रखने के संकेतों से आई है। इससे अमेरिकी बाजार में गिरावट आई जिससे भारतीय बाजार भी प्रभावित हुआ है। इस कारण ही आज 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स करीब 1,000 अंक की गिरावट के साथ खुला। इस दौरान सभी क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गयी। सुबह सेंसेक्स 921.28 अंक करीब 1.15 फीसदी गिरावट के साथ 79,260.92 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 282.35 अंक तकरीबन 1.17 फीसदी नीचे आकर 23,916.50 अंक पर खुला। **निवेशकों को**

5.94 लाख करोड़ का घाटा- इस गिरावट के बीच ही बीएसई सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकर 5.94 लाख करोड़ रुपये से घटकर 446.66 लाख करोड़ रुपये रह गया है। इस दौरान एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई और एचसीएल टेक के शेयर नीचे आये इसके अलावा एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी गिरावट रही। अमेरिका में रेट से जुड़ी आईटी कंपनियों के शेयर 5 फीसदी नीचे आये। एलटीआईमाइंडट्री, एमफेसिस और विप्रो के शेयरों में भी भारी गिरावट रही। इस बीच शेयर बाजार में उतारचढ़ाव के बीच ही इंडिया वीआई एक्स इंडेक्स 5 फीसदी उछलकर 14.37 पर पहुंच गया। गौरतब है कि फेडरल रिजर्व ने नीतिगत ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कमी की है। आगे कटौती की गति धीमी होने के संकेत दिये हैं। अगले साल केवल दो बार ब्याज दरों में कमी की जा सकती है जबकि पहले चार बार कटौती हुई थी। इससे अमेरिका शेयर बाजारों में भी भारी कमी आई। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल औसत में 1100 अंक से अधिक की कमी आई। इंडेक्स में लगातार दसवें दिन गिरावट रही। गिफ्ट निफ्टी के संकेतों के अनुसार बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत होने के संकेत हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने लगातार तीसरी बार ब्याज दर में 25 बेसिस अंकों की कटौती की है। अब ब्याज दर 4.25 फीसदी से 4.5 फीसदी के बीच है। हालांकि, फेड ने संकेत दिया है कि आगे ब्याज दरों में कटौती धीमी हो सकती है, जिससे निवेशक सतर्क हो गए हैं। फेड की ताजा रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में केवल दो और बार कटौती की संभावना है, जबकि सितंबर में चार कटौती की उम्मीद जताई गई। एशिया-पैसिफिक के शेयर बाजार में भी गिरावट रही है। यह गिरावट वॉल स्ट्रीट पर भारी बिकवाली के बाद आई। इस बीच, जापान पर फोकस रहा, जहां बैंक ऑफ जापान ने अपनी दो-दिवसीय पॉलिसी मीटिंग खत्म की। उम्मीद है कि जापान बैंक अपनी ब्याज दर 0.25 फीसदी पर बनाए रखेगा। वहीं, वॉल स्ट्रीट में बड़ी गिरावट देखी गई। डॉओ 2.58 फीसदी गिरा। वहीं गत दिवस अमेरिकी बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया, जिससे बाजार पर दबाव बना।

विदेशों से पैसा भेजने वालों में भारत दुनिया में नंबर वन पर

2024 में 10.7 लाख करोड़ रुपए रेमिटेंस के रूप में स्वदेश भेजे

नई दिल्ली। विदेश से अपने देश पैसे भेजने वालों में भारतीय दुनियाभर में अव्वल हैं लगातार तीसरे साल भी यह सिलसिला बरकरार है। भारतीयों ने 2024 में 129 बिलियन डॉलर यानी करीब 10.7 लाख करोड़ रुपए भारत भेजे हैं। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 8.95 लाख करोड़ रुपए रेमिटेंस के रूप में स्वदेश भेजे गए थे। विश्व बैंक की एक ब्लॉग पोस्ट के मुताबिक रेमिटेंस पाने में भारत के बाद मैक्सिको, चीन, फिलीपींस और पाकिस्तान का नंबर आता है। रेमिटेंस विदेशी मुद्रा अर्जित करने का एक जरिया है। भारत में खाड़ी देशों के अलावा अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे विकसित देशों से रेमिटेंस आता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल रेमिटेंस की वृद्धि दर 5.8 फीसदी रही, जो 2023 के मुकाबले 1.2 फीसदी ज्यादा है। महामारी के बाद आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के सदस्य देशों में नौकरी बाजार की रिकवरी को इस वृद्धि का मुख्य कारण बताया है। रिपोर्ट में यह भी बताया कि पिछले दशक में रेमिटेंस में 57 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 41 फीसदी की गिरावट आई है। विश्व बैंक ने कहा कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रेमिटेंस प्रवाह 2024 में 685 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह भी कहा कि प्रेषण अन्य बाहरी वित्तीय

प्रवाहों की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है और इसमें भविष्य में और बढ़ोतरी की संभावना है। दक्षिण एशिया में रेमिटेंस प्रवाह 2024 में 11.8 फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे ज्यादा बढ़ने का अनुमान है। इस क्षेत्र में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश प्रमुख योगदानकर्ता रहे। बता दें 2022 में प्रवासी भारतीयों ने 111.22 बिलियन डॉलर यानी करीब 9.28 लाख करोड़ रुपए भारत भेजे थे। इस कारण भारत 100 बिलियन डॉलर यानी 8.34 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रेमिटेंस पाने वाला पहला देश बन गया था। विश्व बैंक विशेषज्ञों का कहना है कि रेमिटेंस का इस्तेमाल गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य और शिक्षा के वित्तपोषण, और परिवारों की वित्तीय समावेशन में किया जाना चाहिए।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 बीकानेर में फील्ड फायरिंग रेंज में तोप अभ्यास के दौरान फटा बम,दो सैनिकों की मौत
2 वन नेशन-वन इलेक्शन बिल के लिए JPC का हुआ गठन;अनुराग ठाकुर,प्रियंका गांधी समेत 31 सदस्य शामिल
3 मुंबई में बड़ा हादसाः नाव पलटने से 13 लोगों की मौत,101 को बचाया गया
4 जनरल के मारे जाने के बाद रूसी सेना ने मचाया कोहराम,मारे 540 यूक्रेनी सैनिक
5 अब रूस पर भी भड़के खालिस्तानी,बोलेःभारत के साथ मिलकर निज्जर को मरवा डाला
6 चीन के परमाणु बमों की संख्या 600 के पार पहुंची,भारत और अमेरिका के लिए बड़ा खतरा,पेंटागन की रिपोर्ट ने डराया
7 भारत-चीन सीमा विवाद को सुलझाने के लिए 6 मुद्दों पर सहमति,जल्द शुरू हो सकती है कैलाश मानसरोवर यात्रा
8 संसद के शीतकालीन सत्र का 19वां दिनःशाह के अंबेडकर वाले बयान पर हंगामा,कांग्रेस का आरोपः गृहमंत्री ने बाबा साहेब का अपमान किया
9 रेलवे महाकुंभ में फ्री ट्रेन यात्रा नहीं कराएगा,कहाःजनरल कोच में 200-250 किमी तक बिना टिकट ट्रैवल की खबर अफवाह
10 Ashwin Retirementःमेरी जरूरत नहीं है तो...रोहित शर्मा ने दिए संकेत,गंभीर के इस फैसले' के बाद अश्विन ने बनाया संन्यास का मन
11 PM Modi Kuwait Visitःकुवैत यात्रा पर जाएंगे पीएम मोदी,43 साल बाद किसी PM का होगा दौरा
12 आने वाली पीढ़ियों को बताने के लिए निकोबार द्वीप का नाम देश के नायकों पर रखाःमोदी
13 केजरीवाल ने की संजीवनी योजना' की घोषणा,अब राजधानी में 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मिलेगा फ्री इलाज
14 Kisan Rail Rokoः केंद्र और किसानों के बीच गतिरोध जारी,किसानों ने 30 दिसंबर को पंजाब बंद' का किया आह्वान
15 उमर का फिर INC को झटका?खड़गे मांग रहे इस्तीफा;शाह से मिलने पहुंच गए अब्दुल्ला
16 आंबेडकर को दिल्ली चुनाव का मुद्दा बनाएगी AAP,केजरीवाल ने किया ऐलान;नया नारा भी
17 मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया, कांग्रेस फैला रही झूठः अमित शाह
18 US-Canadaः डोनाल्ड ट्रंप का दावाःकई कनाडाई चाहते हैं कनाडा 51वां अमेरिकी राज्य बने, कहाःयह बहुत अच्छा विचार
19 IND vs AUSःबारिश ने बिगाड़ा खेल,गाबा में 12 साल बाद ड्रॉ हुआ कोई टेस्ट,भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज 1-1 से बराबर
20 राजनाथ सिंह RML हॉस्पिटल पहुंचे, धक्कामुक्की में घायल सांसदों से मिलेंगे
21 आंबेडकर विवाद पर मुंबई में प्रदर्शन,बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस दफ्तर में की तोड़फोड़
22 राहुल गांधी विपक्ष के नेता बनने के लायक नहींः शिवराज चौहान
23 हम संसद में रोज धरना देते थे,आज तक हिंसा नहीं हुईःधक्कामुक्की कांड पर बोले खड़गे
24 संसद धक्कामुक्की कांडःदिल्ली पुलिस दोनों शिकायतों पर कानूनी राय लेगी
25 धक्कामुक्की में घायल सांसद मुकेश राजपूत का ब्लड प्रेशर अभी भी हाई,ICU में भर्तीःRML डॉक्टर
26 संसद कुश्ती का अखाड़ा नहीं,राहुल गांधी ने दो सांसदों को मारःकिरेन रिजिजू
27 गृहमंत्री अमित शाह के घर चल रही बड़ी बैठक, जेपी नड्डा भी मौजूद
28 धक्का कांड पर बोले राज्यसभा चेयरमैन धनखड़,मेरे पास रोती हुई आईं महिला सांसद
29 धक्का कांड पर बोले किरेन रिजिजूःडरने वाले नहीं हैं,लेकिन किसी को मारेंगे नहीं
30 बीजेपी के लोगों की भी जांच की जाए,बीजेपी नेता बिजली चोर हैंःअखिलेश यादव
31 UPःसंभल के सपा सांसद बर्क का बिजली कनेक्शन कटा,बिजली चोरी के लगे हैं आरोप
32 धक्का कांडःPM मोदी ने प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत से फोन पर बात की
33 धक्का कांडःTDP सांसद बायरेड्डी शबरी और BJP सांसद बांसुरी स्वराज राहुल के खिलाफ दर्ज कराएंगी FIR
34 J-Kःकुलगाम एनकाउंटर में मारा गया 10 लाख का इनामी हिजबुल कमांडर फारूक नाली
35 दिल्ली दंगा मामले में ताहिर हुसैन की जमानत पर आज कड़कड़डूमा कोर्ट में होगी सुनवाई
36 अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम में सहयोगी संस्थाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाए
37 मुजफ्फरनगरःरामपुर तिराहाकांड से जुड़े दो मामलों की कोर्ट में आज सुनवाई
38 तुर्की और लेबनान सीरिया में स्थिरता के लिए मिलकर काम करने पर सहमत,बोले राष्ट्रपति एर्दोगन
39 अर्जेंटिना में प्लेन क्रैश,सीसीटीवी में कैद हुआ मंजर
40 तमिलनाडु के वेल्लोर में तेंदुए के हमले में एक 22 वर्षीय लड़की की मौत

विजय सेतुपति, सूरी की फिल्म विदुथलाईः पार्ट 2 को सेंसर बोर्ड से मिला ए सर्टिफिकेट

वेत्रिमारन द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित तमिल फिल्म विदुथलाई पार्ट 2 ने अपनी सेंसर औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और इसे ए सर्टिफिकेट दिया गया है। विजय सेतुपति, सूरी और मंजू वारियर अभिनीत पीरियड क्राइम थ्रिलर फिल्म 20 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह फिल्म 2023 में रिलीज हुई बहुप्रतीक्षित फिल्म विदुथलाई पार्ट 1 का सीक्वल है और साल की सबसे प्रतीक्षित तमिल फिल्मों में से एक है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विदुथलाई पार्ट 2 को अपने तीखे संवादों के कारण ए सर्टिफिकेट मिला है, जिसमें मजबूत राजनीतिक अर्थ और हिंसक दृश्य हैं जो युवा दर्शकों के लिए उपयुक्त नहीं हैं। फिल्म की कहानी मक्कल पदई नेता पेरुमल (विजय सेतुपति द्वारा निभाई गई भूमिका) और उनकी पत्नी (मंजू वारियर द्वारा निभाई गई भूमिका) के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में सहायक भूमिकाओं में भवानी श्री, गौतम वासुदेव मेनन, राजीव मेनन, अनुराग कश्यप, केन करुणास, इलावरसु, बालाजी शक्तिवेल और अन्य कलाकार शामिल हैं। विदुथलाई पार्ट 2 का संगीत दिग्गज इलैयाराजा ने तैयार किया है, जबकि आर वेलराज ने सिनेमैटोग्राफी संभाली है और आर रामर ने संपादन का काम संभाला है। फिल्म का निर्माण ग्रास रूट फिल्म कंपनी और आरएस इंफोटेनमेंट ने मिलकर किया है। अपनी दमदार कहानी, कलाकारों की टोली और दिग्गज संगीतकार के साथ, विदुथलाई पार्ट 2 के ब्लॉकबस्टर हिट होने की उम्मीद है। जैसे-जैसे विदुथलाई पार्ट 2 अपनी नाटकीय रिलीज़ के लिए तैयार है, प्रशंसक वेत्रिमारन के निर्देशन के जादू और मुख्य अभिनेताओं के दमदार अभिनय को देखने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। अपने ए सर्टिफिकेट और दमदार कहानी के साथ, यह फिल्म क्राइम थ्रिलर पसंद करने वाले दर्शकों के लिए एक ट्रीट होने की उम्मीद है।

फियर के साथ साल का अंत करना शानदार रहा : वेधिका कुमार

अभिनेत्री वेधिका कुमार अपनी हालिया रिलीज फियर को लेकर उत्साहित हैं। साल के अंत को लेकर अभिनेत्री ने कहा, फियर के साथ साल का अंत करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद और शानदार रहा। अभिनेत्री ने हालिया रिलीज फियर के साथ इस साल रिलीज अपनी अन्य पांच फिल्मों के बारे में भी बताया। वेधिका ने कहा, जब ईश्वर की कृपा होती है, तो जादू होता है। 2023 से मेरी यात्रा ऐसी ही रही है और मैं अपने प्रशंसकों, दुनिया और अपने शुभचिंतकों के प्रति कृतज्ञता से भरी हुई हूं। एक साल में पांच फिल्में रिलीज होना वास्तव में खास है, खासकर जब हर प्रोजेक्ट मुझे अलग-अलग तरीकों से चुनौती देता है और मुझे अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। साल की मजबूत शुरुआत करना और अब इसे फियर के साथ समाप्त करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद लगता है। मैं सराहना के लिए आभारी हूं और मुझे उम्मीद है कि यह गति मुझे 2025 में और भी अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। 'फियर' का ट्रेलर आर. माधवन ने जारी किया था। वेधिका उनके साथ गर्मजोशी से भरा गहरा रिश्ता शेयर करती हैं। वेधिका की झोली में कई शानदार प्रोजेक्ट हैं। इसमें एक तमिल फिल्म भी शामिल है। वेधिका कुमार मुख्य रूप से तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में काम करती हैं। अपने शोबिज करियर की शुरुआत में वह ज्यादातर मॉडलिंग असाइनमेंट में दिखाई दीं। अभिनेत्री को 'मद्रासी' में मुख्य भूमिका निभाने के लिए अर्जुन ने संपर्क किया था। 'मद्रासी' की रिलीज के बाद, वेधिका को हिंदी फिल्म 'जय संतोषी मां' में एक भूमिका की पेशकश की गई थी, लेकिन फिल्म नहीं बन पाई। वेधिका ने साउथ इंडियन फिल्मों में काम करना जारी रखा और कई शानदार फिल्में दीं। वेधिका ने 'मुनि', 'विजयदशमी', 'शिवकाशी', 'कलाई' जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी हालिया रिलीज 'फियर' मेंटल हेल्थ के विषय पर बनी फिल्म है। फिल्म में वेधिका ने मुख्य किरदार सिंधु का किरदार निभाया है, जो बचपन से ही मानसिक समस्याओं से ग्रस्त है। उसे लगता है कि कोई उसे मारना चाहता है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, रहस्य गहराता जाता है।

ब्लैक साड़ी में नुसरत भरूचा ने दिखाईं दिलकश अदाएं, चेहरे का नूर देख नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

बॉलीवूड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा हमेशा अपने स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं, जिसमें उनकी किलर अदाएं देखकर फैंस मंत्र मुग्ध हो गए हैं। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा बॉलीवूड इंडस्ट्री की फेमस अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। नुसरत भरूचा ने अपनी इन लेटेस्ट फोटोज के दौरान ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो बेहद ही किलर और स्टनिंग लुक में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। कानों में इयररिंग्स, आखों में काजल और ग्लैम मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। नुसरत भरूचा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर आरआरआर और केजीएफ 2 को पछाड़ पुष्पा 2 बनी तीसरी सबसे बड़ी फिल्म, अब बाहुबली 2 का टूटेगा रिकॉर्ड

पुष्पा 2 द रूल ने बॉक्स ऑफिस पर अपना दूसरा शानदार वीकेंड पूरा कर लिया है. अपने दूसरे वीकेंड तक पुष्पा 2 द रूल ने वर्ल्डवाइड 1300 करोड़ रुपये और घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है. वहीं, फिल्म पुष्पा 2 द रूल अपने दूसरे सोमवार में एंटर कर चुकी है. वहीं, फिल्म ने अपने दूसरे वीकेंड में इंडिया में 150 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है. वहीं, फिल्म पुष्पा 2 द रूल की कमाई में 70 फीसदी का उछाल आया है. संध्या थिएटर केस के बाद अल्लू अर्जुन के कोर्ट जाने के बाद फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है. सैकनिल्क के अनुसार, पुष्पा 2 ने 11वें दिन भारत में 75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है. वहीं, फिल्म ने शनिवार और रविवार को कुल 138.3 करोड़ रुपये का घरेलू कारोबार किया है. इसमें हिंदी वर्जन ने 55 करोड़ रुपये कमाए हैं. वहीं, तेलुगू वर्जन में 75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है. वहीं, भारत में फिल्म पुष्पा 2 द रूल का नेट कलेक्शन 900.5 करोड रुपये का हो गया है. इसमें हिंदी वर्जन में 553.1 करोड़ रुपये फिल्म जुटा चुकी है. वहीं, फिल्म का 10 दिनों का ऑफिशियल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1292 करोड़ रुपये का हो चुका है. पुष्पा 2 द रूल ने पहले हफ्ते भारत में 725.8 करोड़ रुपये (पेड प्रीव्यू शामिल है) का कारोबार किया था. वहीं. फिल्म नौवे दिन 36.4 करोड़ रु, दसवें दिन 63.3 करोड़ रुपये और 11वें दिन 75 करोड़ रुपये घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कमाए हैं. बता दें, पुष्पा 2 द रूल हाइएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों की लिस्टी में चौथे नंबर पर आ गई है. इस लिस्ट में पुष्पा 2 ने साउथ सुपरस्टार यश स्टारर फिल्म केजीएफ 2, शाहरुख खान की जवान और पठान, प्रभास की कल्कि 2898एडी और सलमान खान की बजरंगी भाईजान को कमाई में पीछे छोड़ दिया है. बता दें, आगामी 25 दिसंबर को वरुण धवन और कीर्ति सुरेश स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म बेबी जॉन रिलीज होने जा रही है. ऐसे में पुष्पा 2 के पास बॉक्स ऑफिस पर एक और शानदार फ्री हफ्ता है. वहीं, इस हफ्ते में के अंत पुष्पा का कलेक्शन आसानी से 1500 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर जाएगा. कहना गलत नहीं होगा कि दंगल को छोडक़र पुष्पा 2 राम चरण-जूनियर एनटीआर की आरआरआर और प्रभास की बाहुबली 2 के लाइफटाइम कलेक्शन का रिकॉर्ड तोडऩे जा रही है.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।